वर्ष: 2 अंक: 62,
पेज: 4, मुल्य 1 रु.

दैनिक

क्रांति समय

सुरत
मंगलवार
5 मई 2020

सुविचारः– ”झूठ बोलकर अच्छा बनने से अच्छा है,सच बोलकर बुरा बन जाना“

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सऊदी अरब ने शर्तों के साथ खोलीं मक्का–मदीना की मस्जिदें

दुबई (ईएमएस)। कोरोना के खतरे को देखकर सऊदी अरब ने इस्लाम के सबसे पवित्र तीर्थ स्थल मक्का–मदीना के खोलने पर रोक लगा थी। लेकिन अब खबर आ रही हैं कि सरकार ने रमजान में कुछ शर्तों के साथ मक्का–मदीना की पवित्र मस्जिदें अल हराम और अल नबवी को खोलने की इजाजत दे दी है। इसके बाद हज और उमराह के सऊदी मंत्रालय ने आने वाले लोगों के लिए एहतियाती उपायों की घोषणा की है। इस संबंध में हज और उमराह मंत्रालय द्वारा जारी निर्देशों में कहा गया है कि आने वालों को नमाज पढ़ने के लिए अपनी जाएनमाज यानी नमाज पढ़ने के लिए अपनी चटाई लानी होगी। मस्जिद में रखी पवित्र कुरान की प्रतियों का उपयोग करना निषिद्ध होगा। वहीं लोगों को मास्क पहनकर मस्जिद में प्रवेश करने की अनुमति होगी। इसके अलावा दोनों मस्जिदों के वॉशरूम को बंद रखा जाएगा और हैंड सैनिटाइज़र का उपयोग सुनिश्चित किया जाएगा। हैंड सैनिटाइज़र को मस्जिदों के बाहर सरकार द्वारा रखा जाएगा और जो कोई भी आता है उस उपयोग करने के बाद मस्जिद में प्रवेश करने दिया जाएगा।

तुर्की के समसुन शहर पर भेड़ों ने किया कब्जा

इस्तांबुल(ईएमएस)। कोरोना वायरस के कहर से दुनियाभर में लॉकडाउन चल रहा है। लॉकडाउन के बीच सड़कों पर इंसानों की गैरमौजूदगी का पूरा फायदा जानवर उठा रहे हैं। ऐसा ही एक नजारा तुर्की के एक शहर में समसुन में बीती रात देखने को मिला। समसुन शहर में हजारों की संख्या में भेड़ें सड़क पर आ गईं और इधर–उधर घूमने लगीं। भेड़ों के इस वीडियो को मिडिल ईस्ट आई के एक संवाददाता सोयलू ने ट्विटर पर पोस्ट किया है। इस वीडियो को अब तक लाखों लोगों ने देखा है। वीडियो में नजर आ रहा है कि लॉकडाउन की वजह से तटीय शहर समसुन में सड़कें खाली हैं और भेड़ें पूरे शहर में घूमते नजर आ रही हैं। कुछ भेड़ें आराम से शहर के अंदर बने पार्कों में आराम कर रही हैं। सोयलू ने लिखा, कोरोना वायरस लॉकडाउन के बीच बीती रात तुर्की के समसुन शहर पर भेड़ों ने कब्जा किया। इसी तरह से मार्च महीने में भी ब्रिटेन के वेल्स कस्बे में बकरियों के झुंड ने कब्जा कर लिया था। बकरियों ने पूरे शहर में लॉकडाउन की वजह से खाली सड़कों का पूरा फायदा उठाया और जमकर मस्ती की थी। कोरोना वायरस से तुर्की का बुरा हाल है। अब तक देश में 126,045 लोग कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं। यही नहीं 3 हजार से अधिक लोगों की इस वायरस से मौत हो गई है।

मजदूर से नहीं लिया जाएगा किराया, सरकार करेगी व्यवस्था

प्रदेश के लोगों को वापस लाने चलेंगी 31 स्पेशल ट्रेन

भोपाल(ईएमएस)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि दूसरे राज्यों में फंसे जिन मजदूरों को मध्यप्रदेश लाया जा रहा है, उनमें से किसी से किराया नहीं लिया जाए। मुख्यमंत्री ने आला अफसरों से इसे सुनिश्चित करने को भी कहा है। उन्होंने कहा कि ऐसी शिकायत मिली हैं कि नासिक से लाए जाने वाले कुछ मजदूरों से ट्रेन में बैठने से पहले किराया वसूला गया है। मुख्यमंत्री ने यह निर्देश मंत्रालय में कोरोना की स्थिति और व्यवस्थाओं की समीक्षा के दौरान दिए हैं। बैठक

में मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस, पुलिस महानिदेशक विवेक जौहरी और स्वास्थ्य विभाग के अपर मुय सचिव मोहम्मद सुलेमान उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने बताया कि विभिन्न प्रदेशों से मजदूरों को मध्यप्रदेश लाने के लिए कुल 31 ट्रेनों की योजना तैयार की गई है। यह प्रस्ताव रेल मंत्रालय को भेजा गया है। इनमें से 22 ट्रेनें महाराष्ट्र, दो गुजरात, एक दिल्ली, दो गोवा और चार ट्रेनें अन्य प्रदेशों से मजदूरों को लेकर आएंगे। उन्होंने कहा कि जल्दी दूसरे राज्यों में फंसे मजदूर ट्रेनों से मध्यप्रदेश लाए जाएंगे। उज्जैन जिले में कोरोना मरीजों की मृत्यु दर अधिक है। इसे गंभीरता से लेते हुए ने निर्देश दिए हैं कि आज ही डाटर्स की स्पेशल टीम उज्जैन रवाना की जाए, जो वहां जाकर इलाज संबंधी व्यवस्था देखे। हमें किसी भी हालत में हर मरीज को बचाना है।

संक्रमित क्षेत्रों में सख्ती करें

मुख्यमंत्री ने निर्देश किए कि प्रदेश के रेड जोन को ऑरेंज जोन में तथा ऑरेन्ज जोन को हमें ग्रीन जोन में बदलना है। संक्रमित क्षेत्रों में सर्विलेंस सख्त किया जाए। बुरहानपुर जिला घनी आबादी का होने के कारण वहां पर विशेष सावधानी बरती जाए। धार कलेक्टर को भी सावधानी बरते को कहा है।

मरीजों की संख्या में निरंतर कमी

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में कारोना की स्थित में निरंतर सुधार हो रहा है। संक्रमण की गति निरंतर धीमी हो रही है और बड़ी संया में मरीज स्वस्थ होकर घर जा रहे हैं। तीन मई को प्रदेश में 50 कोरोना मरीज पॉजीटिव पाए गए हैं और 174 मरीज स्वस्थ्य होकर घर गए हैं।

प्रति मिनट आ रहे 1300 फोन

चौहान ने बताया कि दूसरे प्रदेश में फंसे मजदूरों को प्रदेश में लाने के उद्देश्य से 100 लाइन का टोल फ्री नंबर 07552411180 चालू है। इस पर फोन कर जानकारी हासिल की जा सकती है। उत नंबर पर लगभग 1300 फोन प्रति मिनट आ रहे हैं। जल्दी लाइनों को और बढ़ाया जाएगा।

24 घंटे में कोरोना के 1000 से ज्यादा मरीज ठीक

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश भर में पिछले 24 घंटे में कोरोना से 1074 लोग ठीक हुए है। यह अभी तक की अधिकतम संख्या है। हमारा रिकवरी रेट बढ़कर 27.52: हो गया है। इतना ही नहीं, डबलिंग रेट भी बढ़कर 12 हो गया है। लाकडाउन से पहले 3।4 डबलिंग रेट था। यानी अब 12 दिन में केस डबल हो रहे हैं। यह जानकारी स्वास्थ्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने दी। अग्रवाल ने आगे बताया, ष्देश में कोरोना मरीजों की संख्या का आंकड़ा 42 हजार के पार पहुंच गया है। देश में कोरोना के कुल मरीज बढ़कर 42533 हो गए हैं। अब तक 11707 मरीज ठीक हुए हैं। पिछले 24 घंटे में 2500 नए केस सामने आए हैं। 29453 मरीजों का इलाज चल रहा है। अग्रवाल ने आगे बताया, ष्देश में कोरोना मरीजों की संख्या का आंकड़ा 42 हजार के पार पहुंच गया है। देश में कोरोना के कुल मरीज बढ़कर 42533 हो गए हैं। अब तक 11707 मरीज ठीक हुए हैं। पिछले 24 घंटे में 2500 नए केस सामने आए हैं। 29453 मरीजों का इलाज चल रहा है। उन्होंने कहा, ष्कोरोना संक्रमण को लेकर देश में टेस्टिंग क्षमता लगातार सरकार बना रही है। आज देश में कुल 426 दिन लैब कोरोना संक्रमण के सैंपल टेस्ट करने लगे हैं। इनमें से 315 सरकारी क्षेत्र के हैं जबकि जबकि 111 प्राइवेट क्षेत्र के लैब हैं।ष सरकार की ओर चेतावनी देते हुए कहा गया कि संक्रमण के मामले बढ़े तो छूट वापस ली जा सकती है। लोग अपने सामाजिक दायित्वों को समझें और गाइडलाइन का पालन करें। अग्रवाल ने कहा, ष्सोशल डिस्टेंसिंग में छूट होने से संक्रमण का खतरा बढ़ सकता है। इसलिए सोशल डिस्टेंसिंग का पालन जरूरी है। जिन जिलों में अभी तक कोई संक्रमण का मामला नहीं है यदि आगे उनमें से किसी जिले में कोई मामला आता है तो वहां भी पाबंदियां लागू की जाएंगी।

रेलवे ने प्रवासी मजदूरों से टिकट के पैसे नहीं लिए, राज्य सरकारों से वसूला मानक किराया

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश में इनदिनों प्रवासी मजदूरों से रेल किराया वलूसने के मुद्दे पर राजनीति गर्माई हुई है। प्रवासी मजदूरों से किराया वसूलने के मुद्दे पर चल रही राजनीति के बीच रेलवे ने साफ किया है कि उसने प्रवासी मजदूरों से कोई किराया नहीं वसूला है। रेल मंत्रालय के सूत्रों ने बताया रेलवे ने प्रवासी मजदूरों को कोई टिकट नहीं बेचा है। सूत्रों के मुताबिक रेलवे, राज्य सरकारों से केवल मानक किराया वसूल रहा है, जो रेलवे की कुल टिकट लागत का महज 15 फीसदी है। यानि रेलवे खुद टिकट की 85 फीसदी लागत वहन कर रहा है। रेलवे ने साफ किया कि उसने केवल राज्यों द्वारा प्रदान की गई सूचियों के आधार पर यात्रियों को ट्रेनें में यात्रा की अनुमति दी है।

मौलाना के उकसाने पर नमाज़ पढ़ने इकठ्ठा हुए हजारों – कहा– कोरोना से मुस्लिमों को खतरा नहीं

काबुल (ईएमएस)। अफगानिस्तान में भी कोरोना संक्रमण अपने पैर फैलाने शुरू कर दिए हैं। यहां संक्रमण के अभी तक 2700 से ज्यादा मामले सामने आ चुके हैं जबकि 85 लोगों की इससे मौत हो चुकी है। सरकार ने काबुल और कई अन्य शहरों में लॉकडॉउन लागू किया है लेकिन पाकिस्तान की ही तरह यहां भी कट्टरपंथी मौलाना बार–बार लोगों को उकसा कर मस्जिदों में नमाज़ पढ़ने के लिए इकठ्ठा कर रहे हैं। सलाफी मुल्ला, मौलवी मुजीब रहमान अंसारी के उकसाने के बाद हज़ारों लोग जुमे की नमाज़ पढ़ने के लिए इकठ्ठा हो गए। सरकार की हिदायत का अनदेखा करते हुए मौलवी मुजीब रहमाना ने रमजान के हर जुमे को मस्जिदों में आकर नमाज़ पढ़ने का आह्वान किया था। इसके बाद बीते शुक्रवार को अफगानिस्तान के तीसरे सबसे बड़े शहर हेरत के गाजेर गाह शरीफ के निकट कोरना संक्रमण और लॉकडाउन को धता बताते हुए हजारों की संख्या में मुसलमानों ने इकठ्ठा होकर नमाज़ पढ़ी। एक रिपोर्ट के मुताबिक इकठ्ठा हुए लोगों ने सोशल डिस्टेंसिंग के नियमों का पालन भी नहीं किया।

नमाज़ पढ़ने आए लोगों ने कहा ?कि हम कोरोना वायरस की चिंता नहीं करते। हमें भरोसा है कि अल्लाह ने ही कोरोना वायरस को भी बनाया है। इसे भी हमारी ही तरह अल्लाह ने बनाया है। बिना खुदा की मर्ज़ी के ऐसा कोई वायरस धरती पर पैदा हो ही नहीं सकता। मौलवी मुजीब ने भी अपनी तक़रीर में कहा– हम मुसलमान हैं, हम अल्लाह पर भरोसा रखते हैं। कोरोना वायरस मुसल.मानों को नुकसान नहीं पहुंचाएगा, हमें इससे कोई फर्क नहीं पड़ता।

ब्रिटेन में कोरोना संक्रमण से 315 लोगों की मौत, 28,446 हुई कुल मृतक संख्या

लंदन (ईएमएस)। ब्रिटेन में कोरोना वायरस संक्रमण से 315 और लोगों की मौत के बाद रविवार को मृतकों की संख्या बढ़कर 28,446 हो गई। ताजा आंकड़ों से संकेत मिल रहे हैं कि ब्रिटेन में मृतकों की संख्या इटली के करीब पहुंच गई है। कोरोना वायरस से बुरी तरह प्रभावित देशों में से एक इटली में अब तक 28 हजार 710 लोग दम तोड़ चुके हैं।

ब्रिटेन के मंत्रिमंडल कार्यालय मंत्री माइकल गोव ने 10 डाउनिंग स्ट्रीट से दैनिक ब्रीफिंग में यह आंकड़े जारी किए। उन्होंने इस बात की भी पुष्टि की कि प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन अर्थव्यवस्था को लॉकडाउन से बाहर निकालने में आसानी के लिये अगले सप्ताह एक विस्तृत योजना तैयार करेंगे।

पोव के साथ दैनिक ब्रीफिंग में शामिल एनएचएस इंग्लैंड के राष्ट्रीय चिकित्सा निदेशक प्रोफेसर स्टीफन पोविस ने कहा कि देश में कोरोना वायरस के चलते अस्पताल में भर्ती होने और आईसीयू में भर्ती मरीजों की संख्या में लगातार गिरावट आ रही है। उन्होंने कहा कि मृतकों की संख्या में गिरावट से संकेत मिलता है कि ब्रिटेन वायरस की चरम सीमा को पार कर चुका है।

प्रेस की आजादी पर शिकंजा कसने के लिए किया जा रहा कोरोना महामारी का इस्तेमाल

बर्लिन (ईएमएस)। प्रेस की आजादी को कम करने के लिए दुनियाभर की सरकारें कोरोना वायरस महामारी का इस्तेमाल कर रही हैं। एक अंतरराष्ट्रीय मीडिया अधिकार समूह ने यह बात कही है। अंतरराष्ट्रीय प्रेस संस्थान ने विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस 2020 विषय पर अपनी रिपोर्ट में कहा है कि इस कोरोना वायरस महामारी के दौरान लोकतांत्रिक और तानाशाही व्यवस्था वाले देशों की सरकारों को गलत सूचनाओं के प्रसार को रोकने के बहाने मीडिया पर नियंत्रण करने का मौका मिल गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि तानाशाही व्यवस्था वाले देशों की सरकारें स्वतंत्र मीडिया पर शिकंजा कसने के लिए उसपर आपातकालीन फैसले थोप रही हैं, जबकि लोकतांत्रिक देशों में जनमत को नियंत्रित करने और लोगों को कोरोना वायरस को लेकर सरकार की गलत नीतियों के बारे में जानकारी हासिल करने से रोकने के प्रयास बढ़ रहे हैं।

वियना स्थित संगठन ने कहा कि बीते ढाई महीने के दौरान उसके सामने कोरोना वायरस कवरेज से संबंधित प्रेस स्वतंत्रता के उल्लंघन के 162 मामले आए हैं, जिनमें से एक तिहाई मामलों में पत्रकारों को गिरफ्तार या हिरासत में लिया गया है। साथ ही उनके खिलाफ मामले दर्ज किए गए। यह रिपोर्ट इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ जर्नलिस्ट्स के एक सर्वेक्षण के प्रकाशित होने के तीन दिन बाद आई है।

पाकिस्तान में कोरोना संकट की वजह से जा सकती हैं 1.8 करोड़ नौकरियां

इस्लामाबाद (वुहान)। पाकिस्तान में 1.8 करोड़ लोगों की नौकरी कोरोना वायरस लॉकडाउन की वजह से जा सकती है। देश में अब तक कोरोना वायरस के 20,000 पॉजिटिव मामले सामने आ चुके हैं। रविवार को 981 नए मामले दर्ज किए गए। इसका देश की अर्थव्यवस्था पर गंभीर असर पड़ा है। पाक सरकार द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार 2–7 करोड़ लोग गरीबी रेखा के नीचे जा सकते हैं। देश में अब तक कुल 20,130 लोग कोरोना की चपेट में आ चुके हैं जबकि 459 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है।

प्लानिंग मिनिस्टर असद उमर ने कहा कि 9 मई तक लॉकडाउन का ऐलान किया गया है। इसके बाद आगे की रणनीति पर विचार किया जाएगा। उमर ने यह भी कहा कि देश में कोरोना से उतनी मौतें नहीं हो रही हैं जितनी दूसरे देशों में हो रही हैं। उन्होंने दावा किया कि देश का हेल्थकेयर सिस्टम बेहतर हो रहा है। देश में फिलहाल 1,400 वेंटिलेटर हैं और दो महीने में 900 और आ जाएंगे।

उन्होंने कहा कि सिर्फ 35 मरीज ही फिलहाल वेंटिलेटर पर हैं। उमर ने दावा किया कि देश की क्षमता मेडिकल इक्विपमेंट बनाने में बढ़ रही है और वेंटिलेटर्स का घरेलू उत्पादन शुरू किया जाएगा। उन्होंने बताया कि टेस्टिंग के लिए 55 लैब हैं और हर दिन 14,000 टेस्ट किए जा रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि टेस्टिंग, ट्रैकिंग और क्वारंटीन फसिलटी को बेहतर किया गया है और इस्लामाबाद में दो सेक्टरों में लागू कर दिया गया है।

रूस में एक दिन में 10 हजार से ज्यादा लोगों में फैला कोरोना

– मॉस्को में ड्रोन–हैलीकाप्टर से रखी जा रही नजर

मॉस्को (वुहान)। कोरोना वायरस ने रूस में अपने पैर पसारने शुरु कर दिए हैं। रविवार का दिन यहां अब तक की सबसे खराब स्थिति लेकर आया। रूस में रविवार को 10 हजार से ज्यादा कोरोना वायरस के पॉजि.टिव मामले दर्ज किए गए। सबसे खराब हालात राजधानी मॉस्को में हैं, जहां देश में मौतों के कुल आंकड़े की आधे से ज्यादा मौतें दर्ज की गई हैं।

इसी बीच मॉस्को में हेलिकॉप्टर और ड्रोन्स की मदद से मॉनी.टरिंग की योजना बनाई है। रूस में रविवार को 10,633 केस दर्ज किए गए। इसके साथ ही देश में कुल कोरोना पॉजिटिव मामलों की संख्या 1 लाख 34 हजार पार कर चुकी है। वहीं, अब तक 1,420 लोगों की मौत हो चुकी हैं। चिंता जताई जा रही है कि राजधानी मॉस्को में कहीं हालात इतने खराब न हो जाएं कि मेडिकल फैसिलिटी अपने चरम पर पहुंच जाए। हालात से निपटने के लिए पहले से ही तैयारियां की जा रही हैं। अस्थायी अस्पताल और शवगृह बनाए जा रहे हैं और बड़े स्तर पर टेस्टिंग पर जोर दिया जा रहा है।

वहीं, रूस के नेशनल गार्ड ने फैसला किया है कि मॉस्को में लॉक.डाउन का पालन किया जा रहा है या नहीं, इसे मॉनिटर करने के लिए हेलिकॉप्टर और ड्रोन्स का इस्तेमाल किया जाएगा। इनसे इस हफ्ते में छुट्टी वाले दिनों में निगरानी की जाएगी। चिंता जताई गई है कि गर्म मौसम आने से और कई छुट्टियों के होने से बड़ी संख्या में लोग घरों से बाहर निकल सकते हैं। पार्कों में घूमने जा सकते हैं। मेयर का कहना है कि लॉकडाउन की वजह से इन्फेक्शन को फैलने से रोकने में मदद मिली है। उनका कहना है कि मॉस्को में बड़े स्तर पर टेस्टिंग की जा रही है। हालांकि, उन्होंने साफ किया है कि अभी वायरस अपने चरम पर नहीं पहुंचा है। यहां बच्चों में कोरोना इन्फेक्शन बढ़ता दिख रहा है। अब तक 2 बच्चों की मौत हो चुकी है और 11 बच्चे गंभीर हालात में हैं।

उज़्बेकिस्तान में बांध टूटने के बाद हजारों लोगों को सुरक्षित स्थान पहुंचाया गया

ताशकंद (ईएमएस)। उज्बेकिस्तान में एक बांध टूट जाने से निचले इलाकों में बाढ़ आ गई जिसके चलते लगभग 70,000 लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया है। अधिकारियों का कहना है कि बांध टूटने की आपराधिक जांच की जा रही है। राहत और बचाव कार्य जारी है।

बताया जाता है कि पूर्वी उज्बेकिस्तान में स्थित सरदोबा रिजर्वायर की दीवार शुक्रवार को सुबह टूट गई थी जिसके चलते लाखों क्यूसेक पानी बाढ़ की शक्ल में बहने लगा। हादसे में घायल हुए 50 से ज्यादा लोगों को अस्पतालों में भर्ती करवाया गया है। हादसे में दक्षिण कजाकिस्तान के 600 से ज्यादा घरों में पानी भर गया। इस बांध का निर्माण वर्ष 2010 में प्रारंभ किया गया था और 2017 में यह पूर्ण हुआ। मात्र 3 वर्ष के भीतर बांध के टूटने की घटना के बाद जांच बिठा दी गई है।

खबरों में बताया गया है कि बांध के टूटने से पहले उस क्षेत्र में तूफानी हवाएं चली और धुआंधार बारिश भी हुई। इसके चलते राहत और बचाव कार्य में बाधा उत्पन्न हुई। कजाकिस्तान के अधिकारियों ने बांध को हुए नुकसान के बारे में समय से जानकारी नहीं देने के लिए उज्बेक अधिकारियों की आलोचना की है।

कोरोना को लेकर खुफिया जानकारी जानने वाली वॉयरोलॉजिस्ट शी झेंगिल रहस्यमयी तरीके से गायब

बीजिंग (ईएमएस)। चीन में वुहान इंस्टीट्यूट ऑफ वॉयरोलॉजी की बड़ी वॉयरोलॉजिस्ट शी झेंगिल जो 'बैट वूमेन' के नाम से मशहूर है, रहस्यमयी तरीके से गायब हो गई हैं।बताया जा रहा हैं कि वहां वुहान लैब और कोरोना को लेकर बहुत कई खुफिया बातें जानती हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक कोरोना को लेकर वहां कई ऐसी गुप्त बातें जानती हैं,जो चीन को मुसीबत में डाल सकती हैं। हालांकि उनके द्व ारा पश्चिमी देशों को कोई भी जानकारी लीक करने की बात से इंकार किया जा रहा है। चीन के वुहान लैब में काम करने वाली शी झेंगिल को चमगादड़ों और उसपर लेकर रिसर्च को लेकर दीवानगी की वजह से उन्हें बैट वूमेन कहा जाता है। वहां चमगादड़ों में मौजूद वायरस पर भी रिसर्च कर रही हैं।

चीन सोशल मीडिया पर अफवाह हैं कि शी झेंगिल ने कोरोना को लेकर कुछ जानकारी पश्चिमी देशों को दी हैं। चीनी अखबार की एक रिपोर्ट के मुताबित शी झेंगिल ने इस अफवाह के फैलने के बाद इस बारे में सोशल मीडिया पर जानकारी दी। उन्होंने पश्चिमी देशों को जानकारी लीक करने के आरोपों को अफवाह बताकर चीन की सोशल मीडिया पर लिखा कि दोस्तों मेरे और मेरे परिवार के लिए सबकुछ ठीकठाक है। इसके बाद शी झेंगिल ने वुहान लैब के डायरेक्टर के लिए लिखी पोस्ट में लिखा कि चाहे कितनी भी मुश्किल आए, जानकारी लीक नहीं होगी। हमने कुछ भी गलत नहीं किया है।

विज्ञान में मजबूत भरोसा रखकर मैं कह सकती हूं कि एक दिन मुलीबत के बादल छंट जाएंगे और सूरज की रोशनी साफ दिखाई देगी। दरअसल विदेशों की सोशल मीडिया के एक अफवाह में कहा जा रहा है कि वुहान लैब की डायरेक्टर शी झेंगिल ने कुछ खुफिया जानकारी पेरिस के दूतावास में दी है हालांकि रिपोर्ट में ये नहीं बताया जा रहा है कि शी झेंगिल कहां हैं।इसके बाद सोशल मीडिया पर अचानक से इसतरह के पोस्ट्स की बाढ़ आ गई है। इनमें अमेरिका और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के लगाए आरोपों वाले पोस्ट के साथ ही दुनियाभर के टॉप लीडरशिप द्वारा उठाए गए सवाल हैं। एक सवाल ये भी उठाया जा रहा है कि वहां पिछले साल 2019 दिसंबर से क्यों गायब हैं। दिसंबर में ही सबसे पहले वायरस का संक्रमण फैला था।वुहान से ये पूरी दुनिया में फैला इसके बाद से शी झेंगिल की कोई खबर नहीं मिल रही है।कुछ रिपोर्ट में कहा जा रहा है कि चीन की सरकार ने उनका मुंह बंद कर रखा है, क्योंकि 2 जनवरी को उन्होंनो कोरोना वायरस का जीनोम अनलॉक कर दिया था।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कोरोना– के बाद की दुनिया कैसी होगी?

कोरोना के वैश्विक संकट से समूची दुनिया में बहस शुरू हुई है और इस महामारी के विश्व पर क्या प्रभाव हो सकते हैं ? इसकी भी चर्चा शुरू हो रही है। भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने भी भविष्य को लेकर कुछ बिंदु अपने लेख के माध्यम से रखे हैं जो 20अप्रैल को मीडिया में भी आये हैं। उन्होने ब्रिंग यूअर ओन च्वाइस (बीबाईओसी)तथा वर्क फ्रॉम होम की चर्चा की है।ये सब उसी वैश्वीकरण के अंतर्गत उठाये जाने वाले कदम हैं। जब दुनिया में वैश्वीकरण का दौर शुरू हुआ तभी से हम उसके सम्भावित खतरों के प्रति आगाह करते रहे हैं। परन्तु वैश्वीकरण को विश्व विकास की कुंजी मानने वाले लोगों की भी संख्या कम नहीं है। तीसरी तरफ नोमचाम्स्की जैसे अंतरराष्ट्रीय मार्क्सवादी बुद्धिजीवी को आदर्श मानकर दुनिया का नवउदारवाद के समर्थको का भी एक हिस्सा रहा है जो वैश्वीकरण का शाब्दिक विरोध तो करता है पर वैकल्पिक सभ्यता के गांधी या डॉ लोहिया के विचार को मन से नहीं स्वीकारता। शायद मार्क्सवाद को अपने बड़े कारखानों के समर्थन के कारण वैश्वीकरण के विरोध में विश्वसनीयता हासिल नहीं हो सकी। ध्रीरे–धीरे कॉरपोरेट्स ने इस भ्रंम का फायदा उठाकर वैश्वीकरण को सही सिद्ध करा दिया।

अब कोरोना के चलते जिस प्रकार दुनिया लगभग 3 माह से ठहर सी गई है खेत खलिहान कल कारखाने यातायात के साधन सब बंद हैं और इंसान घर की चारदीवारी के अंदर कैद हो गया है।इसके जो भयानक परिणाम आएंगे उसकी कल्पना दुनिया और देश का बौद्धिक जगत शायद अभी नहीं कर पा रहा है। अपनी स्वार्थ सिद्धांतकी के चलते या तो वे ठीक समझ नहीं पा रही है या फिर तथ्यों को छुपाने के लिए कृतिम तर्कों का जाल बुना जा रहा है। उदारवाद के एक नए प्रवक्ता प्रोफेसर हरारी जो इजराइल में विश्वविद्यालय के प्रोफ़ेसर हैं सामने आए हैं। प्रोफेसर हरारी हिंब्रू विश्वविद्यालय में हैं। हिब्रू भाषा जिसका प्रयोग ईसा मसीह ने किया था अब काल के गाल में उसी प्रकार समा गई है जिस प्रकार भारत में संस्कृत अब काफी हद तक हिंदी में समा गई। हालांकि भारत में अभी भी कुछ लोग संस्कृत के काल में लौटना चाहते हैं। पर अभी मेरा उद्देश्य भाषा के इन प्रश्नों पर जाना नहीं है बल्कि कोरोना के आर्थिक राजनीतिक सामाजिक, तकनीकी पर सम्भावित परिणामों व सम्भावित दुनिया के स्वरूप पर विचार करना है। श्री हरारी ने एक लेख लिखा है जो दुनिया में कई जगह छपा है। तथा पढ़ा व बढाया जा रहा है क्योंकि आज भी नवबौद्धिकों का बड़ा हिस्सा जुगाली बौद्धिक है। प्रोफेसर हरारी कॉर्पोरेट सभ्यता के आंशिक विरोधी ही नजर आते हैं क्योंकि वे मूल पर चोट नहीं करते। यह भी एक रणनीति है कि मूल का समर्थन करो तथा छुटपुट एकाध बाजू थोड़ा चोट कर यश पाओ। वैश्वीकरण के आरम्भ में इसी प्रकार वैश्वीकरण का मानवीय चेहरा होना चाहिए का प्रचार किया गया था। स्वाभाविक है कि उनकी बातों को दुनिया में ज्यादा स्थान मिलेगा और हम लोगों की बातें शायद इतिहास में दर्ज होकर रह जाएंगी। उन्होंने कोरोना के बाद राज्य के सर्विलांस को नागरिक की निजता में दखल का औजार माना है और दुनिया के संपन्न और उच्च व मध्यवर्गीय तबके के निजी जीवन में राज्य की दखल और नागरिकों की अंडर स्किन निगरानी के मुद्दे पर केंद्रित किया है। निगरानी के दुनिया में दो हिस्से कहे जाते हैं। एक ओवर द स्किन दूसरा अंडर द स्किन। याने चमड़ी के ऊपर और चमड़ी के नीचे। उनका कहना है कि बीमारी की निगरानी के नाम पर इंसान के शरीर और मस्तिष्क के भीतर घटित होने वाली तथा इंसान के आसपास घटित होने वाली सारी सूचनाएं राजतंत्र के पास पहुंच जाएंगी। मैं समझता हूं कि चमड़ी के नीचे घटित होने वाली विचार सोच आदि को छोड़ दें तो व्यक्ति की अन्य सारी सूचनाएं अभी भी राज्य के पास हैं। देश में करोड़ों आधार कार्ड धारक हैं और शायद बहुत जल्दी हर व्यक्ति के पास आधार या पैन नंबर हो जाएंगे। जब आधार की चर्चा शुरू हुई थी तब पूर्व प्रधानमंत्री डॉक्टर मनमोहनसिंह के कार्यकाल में तब भी दुनिया के जुगाली बौद्धिक वर्ग ने उसके खिलाफ नागरिक के निजता के अधिकार को लेकर मीडिया से लेकर कोर्ट तक बहस चलाई थी। उस समय भाजपा प्रतिपक्ष थी व राजनीतिक लाभ के लिए उनके प्रचार तंत्र व संघ ने

भी इस मुहिम को पीछे से सहारा दिया था।और अब केंद्र में श्री मोदी की सरकार आने के बाद वे सब अपने शिक्षण के अनुसार मौन होकर पालन कर रहे हैं। कोरोना का संकट और जो उसके हल बताए जा रहे हैं उनसे यही निष्कर्ष निकला जा सकता है कि इस संकट का आगामी कुछ वर्षों तक कोई स्थायी हल नहीं निकलेगा सिवाय इसके कि व्यक्ति को दुनिया देश समाज घर परिवार सभी से अलग कर एक स्व केंद्रित स्वार्थ केंद्रित व्यक्ति बना दिया जाए।यह भी कहा जा रहा है कि अभी तक कोरोना की कोई दवाई विकसित नहीं हो सकी है जो स्थाई मलेरिया की दवा या उसका कुछ संशोधित स्वरूप ही उपयोग में आता रहेगा।और कोरोना एक सतत चलने वाली बीमारी होगी। और कुछ कुछ दिन के अंतराल से लॉक डाउन और कोरोंटोरायन व आईसोलेशन के दौर चलते रहेंगे। समय समय के अंतराल से इन प्रयोगों के बाद आदमी स्वभाव से ही घरों में कैद रहने का अभ्यस्त हो जाएगा। मैं देख रहा हूं कि भारत में 22 मार्च से 24 के बीच तीन दिवसीय कर्फ्यू में व्यक्ति मानसिक तौर पर जितना परेशान था उसके बाद के 25 मार्च से 14 अप्रैल तक 21 दिवसीय लॉक डाउन में अपनी दैनिक जरूरतों राशन रोजगार दवा शिक्षा आदि को तो परेशान हुआ परंतु मानसिक तौर पर उतना परेशान नहीं रहा। बल्कि धीरे–धीरे लोगों ने अपने जीवन के भय के स्वार्थ में यहां तक की छोटी–छोटी बातों को लेकर फसाद कराने वाली जमातो धार्मिक समूहों राजनीतिकदलों पत्रकारों कारखानेदारों किसानों यानी लगभग समूचे देश ने नियति मान कर स्वीकार कर लिया। और 15 मार्च से 3 मई के चरण में तो स्वतः अपने आप को चहारदीवारी में कैद कर लिया है।तथा जब दो–तीन दिन के बाद दिल्ली सूरत मुंबई आदि से आर्थिक और भूख से परेशान लाचार लाखों मजदूर घरों की ओर भागने को विवश हुए तो देश के मध्यम वर्ग ने उनकी पीड़ा को समझने के बजाय उन्हें ही लांच्छित किया कि यह लोग देश को महामारी फैलाकर मरवाना चाहते हैं। इतना ही नहीं कुछ समय बाद मीडिया के प्रचार ने ऐसी भयावह स्थिति पैदा कर दी कि यह मजदूर जिनमें से कुछ लोग तो सो हजार बारह सौ किलोमीटर पैदल चलकर जब अपने गांव घर पहुंचे तो बजाए उनके पैर के छालों और

उनकी आंख के आंसू पोंछने के चल कर आई हुई नारी के दर्द और उसके भूखे बच्चों के बिलखने में मानवीय पीड़ा और व्यवस्था के नियोजन की कमजोरी को देखने के लोगों ने उन्हें ही गांव के बाहर रोक दिया तथा बांस की लकड़ी बांधकर सीमा बंदी कर दी।गांव के बच्चों को भी गांव में नहीं घुसने दिया। कुछ लोगों ने फोन कर पुलिस को बुलाया और उन के हवाले किया। मेरा यह कहना नहीं है कि उनकी जांच ना हो।परंतु इतना तो गांव घर के लोग कर सकते थे कि गांव के बाहर किसी घर सरकारी भवन आदि में उनके रुकने खाने पीने का इंतजाम कर देते। घर की ओर कितनी उम्मीद से से वे भूखमरी से बचने के लिए भागे थे परंतु परिवार ने ही उन्हें बहिष्कृत व त्याग कर दिया। शिवपुरी जिले के शर्मा जी के मकान का फोटो अखबारों में छपा है जिसमें उन्होंने मकान बिकाऊ की तख्ती लगाई है। क्योंकि दुबई से आने के बाद वे संक्रमित पाए गए थे। उनका इलाज दिल्ली में हो गया था और वे स्वस्थ हो गए।स्वास्थ्य प्रमाण पत्र देकर उन्हें घर जाने दिया गया। फिर भी मोहल्ले वाले उन्हें नहीं रहना देना चाहते।ऐसी अनेकों घटनाएं हैं जो चित्रों सहित अखबारों में आ रही हैं। यह एक ऐसे बदलते समाज का चित्र है जिसमें अमानवीयता अपने चरम पर पहुंच चुकी है। भारतीय दर्शन बसुधेव कुटुंबकम से सिकुड़कर राजनेताओ के कुटुंबकम पर पहले ही आ चुका था और अब इस कोरोना के भय ने व्यक्ति को ही अपना पूरा संसार बना दिया है। माता पिता, पति, पत्नी, दादा, दादी, बेटा ,बच्चे सभी रिश्ते कोरोना के भय की आग में ध्वस्त हो गए है। बस मैं और मेरी जान।यही विश्व का नया दर्शन बन गया है। यह सभ्यता धर्म ,मानवता, राजनीति सभी की मौत की घंटी है।यानी कोरोना का एक प्रभाव होगा कि मानव अमानव बन जाएगा।

दूसरे इस कोरोना के माध्यम से जिस प्रकार व्यक्ति परहेज शुरू हुआ है वह अंततः दुनिया को चरम तकनीकी करण व मशीनीकरण पर ले जाएगा और जो दुनिया का नया दृश्य उभर रहा है उसमें ऐसा संभव हो सकता है।

1 ––सारे विश्वविद्यालय विद्यालय बंद हो जाएंगे और मोबाइल लैपटॉप आदि के माध्यम से मशीन से शिक्षा दी जाएगी। लाखों शिक्षक बेरोजगारी के शिकार हो जाएंगे। जब छात्र इकट्ठे नहीं होंगे तो छात्र संघ और छात्र राजनीति जो कभी–कभी बदलाव का कारण बनी है या बन सकती है अपने आप समाप्त हो जाएगी।

2––कारखानों में आधुनिकतम स्व संचालित मशीनें लगेंगी।मजदूर हटा दिए जाएंगे।कृषि में मशीनीकरण का बड़ा दौर शुरू होगा तथा बीज बोना, पानी, खाद, दवा देखभाल कटाई तथा थ्रेसिंग खरीद केंद्रों और गोदामों तक अनाज पहुंचाना यह सारा काम मशीन और रोबोट से होगा। देश के 30 करोड़ खेतिहर मजदूर बेरोजगार होंगे।

3––घरों में काम करने वाले रोबोट काम करेंगे। लाखों बाइयां बेकार हो जाएंगे।सुरक्षा आदि का काम रोबोट करेगा। और सुरक्षाकर्मी बेरोजगार हो जाएंगे।

4––सारा क्रय विक्रय लेनदेन ऑनलाइन मशीन से होगा। करोड़ों फुटकर व्यापारियों की दुकानें बंद हो जाएंगी।अमेजॉन फिलपकार्ट जैसी महाकाय कंपनियां फोन पर मशीन पर ऑर्डर लेकर होम डिलीवरी करेंगे। माल सस्ता और साफ मिलेगा इसलिये आम उपभोक्ता भले ही इंसान जिंदा ना रहे परन्तु खरीदेगा। शायद इस खबर को लोगों ने और खुदरा व्यापारियों ने भी नहीं पढ़ा होगा कि अमेजन के मालिक बेजोस की संपत्ति 1 दिन में 48500 करोड़ रुपए की बढ़ गई और लाकडाउन के बाद उनकी कम्पनी ने 1लाख84 हजार करोड़ रूपये का मुनाफा कमाया।क्योंकि फुटकर सामान बिक्री इतनी ज्यादा हो गई जिससे उनके शेयर के दाम दुगने के आसपास हो गए।यह संपत्ति की वृद्धि कहीं ना कहीं किसी ना किसी फुटकर व्यापारी की लाश पर ही हुई है। वह चाहे भारत का हो या किसी अन्य देश का। इतना ही नहीं जब सारा अमेरिका कोरोना से बेहाल है लॉकडाउन में न्यूयॉर्क में आपातकाल है परंतु

6 अमेजॉन अपनी कंपनी में मार्च माह में 1लाख लोगों की भर्ती और अभी 75हजार लोगों को और भर्ती करने की तैयारी में है जो उनकी ऑनलाइन होम डिलीवरी सारी दुनिया में करेंगे।यह कुछ समय पश्चात गाँव से किसानों की फसलों के खरीद में भी शुरू होगा तथा मानचित्र से बिचौलिए दलाल अनाज व्यापारियों का स्थान ये विदेशी अमेजॉन जैसी कम्पनियां भर देंगी।

5– खेती के मशीनीकरण से पहले चरण में 22करोड़ खेतिहर मजदूर बेकार होकर भुखमरी की गोद में समा जाएंगे।फिर अगले चरण में क्रमशः छोटे किसान अपनी जमीन बेचने को प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष विवश होते जाएंगे। तथा अंतरराष्ट्रीय जमींदारी शुरू होगी जिसमें वे देशी या विदेशी कंपनियों खेती करेंगी जो हजारों लाखों एकड़ भूमि पर मशीन से खेती करने में समर्थ होंगी।किसान का स्थान शायद क्रमशः बहुराष्ट्रीय कंपनी ले लेगी।

6––पुलिस का काम 60– 70ः समाप्त हो जाएगा।सेना में भी फाइटिंग– विमान चालन जैसे काम रोबोट से होंगे और लाखों सैनिक बेरोजगार होंगे।

7––सड़कों की सफाई हो, कि घरों की सफाई या सीवर की सफाई सब मशीन या रोबोट से होंगी। इंसान हट जाएगा।

8–––कंपनियों का काम घरो से किया जाएगा। कहीं आने जाने की आवश्यकता नहीं होगी। घर और मशीन से सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में काम होगा। बिग बॉस कर्मचारियों के ऊपर 24घण्टे निगरानी रखेगा।दफ्तर आने जाने का यात्रा भत्ता दफ्तर किराया और संचालन का करोडो रुपया प्रति माह का खर्च मालिको का बचेगा।

9– लगातार घरो पर रहकर काम करने से कर्मचारी बीमार पडेगे। सामाजिक अलगाव से अवसाद में जायेंगे और बीमा कम्पनियों तथा दवा निर्माता कम्पनियो का व्यवसाय चमकेगा। हालांकि केवल सम्पन्न बीमित लोग ही इलाज करा सकेंगे।चिकित्सा का पूर्ण निजीकरण हो जाएगा तथा शराब की होमलाइन डिलीवरी से करोडो गरीब घरों में शराब पीते पीते स्वर्ग सिधार जायेंगे।

10–संक्रमण के भय से चीन के समान टैक्सी उधोग लगभग बन्द हो जायेगा तथा लोग संक्रमण से बचने के नाम पर निजी कारे खरीदेगे और लाखो करोडो कारे बिक जायेगी।

11–पत्रकारिता के पहले चरण में दफ्तरों को बंद कर घर से मशीनी पत्रकारिता होगी। मशीनी पूछताछ का दौर आएगा। घुमंतू पत्रकार खत्म हो जाएंगे। खबरें भी कॉरपोरेट्स से मिलेंगी और पत्रकारिता कारखानों का मशीनी उत्पाद बन जायेगी। हजारों पत्रकार बेरोजगार हो जाएगे। घरों से पत्रकारिता का काम शुरू हो भी गया है। अब पत्रकारो को लैपटॉप के साथ घरों में भेजा जा रहा है। जानकारी मिली है कि कुछ बड़े अखबारों के समूह ने 10ः पत्रकार कम करने का फैसला कर लिया है।कुछ को सीधे नोटिस दिए जाएंगे तो कुछ को बेड परफॉर्मेंस के नाम पर हटाएंगे।पत्रकारिता पर कोरोना की आड़ में कॉरपोरेट्स हमला शुरू हो गया है। पत्रकार वार्तायें भी मशीन से होगी।पेड न्यूज के बजाय एड न्यूज का दौर शुरु होगा।

12– रेल बस सेवाएं लगभग बन्द हो जायेगी। सड़को के निर्माण की जरूरत नहीं होगी।लाखों रेल बस टेम्पो ऑटो टेक्सी चलाने वाले बाहर हो जाएंगे।कॉरपोरेट्स का इस मशीनीकरण से सम्पत्ति का अपार भंडार बढ़ेगा। संम्पन्न लोगो के लिये विमान होगे।और गरीबो और सामान्य व्यक्तियो का राष्ट्रीय संम्पर्क टूट जायेगा वे अधिकतम अपने जिलो या प्रदेश मे कैद हो जायेगे।

13– सरकार का जो अभी लगभग 20ः प्रशासनिक व्यय होता है उसका बड़ा हिस्सा बच जाएगा। कारखाने दार– कॉरपोरेट्स अपने बड़े हुए मुनाफे का छोटा सा हिस्सा सत्ता को देंगे

और सरकारें उस राशि को जो बेरोजगार और गरीब होंगे उनके खातों में बगैर किसी काम के सीधा पैसा डाल देगी। उन्हें मुफ्त राशन देगी ताकि वे निश्चिंत भाव से खाते खाते मर सकें। सरकार दावा करेगी कि हम इतने महान हैं कि एक भी व्यक्ति भूख से नहीं मरा। मान लें कि

भारत सरकार ने अपने वर्तमान 30 लाख करोड़ बजट का 20ः प्रशासनिक व्यय ही बचा लिया यानी 60,000करोड़ रुपए और देश के एक करोड़ लोगों को 6000– 6000 रु.उनके खातो मे डाल दिया तो निर्बाध भाव से सरकारे चलती रहेगीं।

14 –राजनीति का वर्तमान स्वरूप नहीं रहेगा। कोई सभा जुलूस आंदोलन धरना विरोध अनशन नहीं होंगे। केवल सेटेलाइट ऑनलाइन प्रचार होगा। मशीन से ही वोटिंग होगी। मशीन वोट देगी मशीन गिनेगी और मशीन जीतेगी। किसी आम आदमी के या मध्यम वर्गीय के लिए राजनीति असंभव और अदृश्य घटना बन जाएगी।

15 –मंदिर मस्जिद गुरुद्वारे गिरजाघर की कोई आवश्यकता नहीं होगी। ऑनलाइन पूजा–पाठ शादी विवाह तेरहवीं शव यात्रा सब हो जाएगा।विद्युत शव दाह ग्रह में निगम की गाडियां ले जाकर अंत्येष्टि कर देगी। अस्थि विसर्जन भी ऑनलाइन हो जायेगा। पंडितों मौलवियों व फादर का काम मशीन करेगी।

16– मशीन की इस सभ्यता में जहां इंसान ही गैर जरूरी हो जाएगा वहां आरक्षण अपने आप अप्रसांगिक हो जाएगा। मार्क्सवाद जो कहता है कि दुनिया में दो ही जातियां हैं गरीब और अमीर और यही बात तो भारत का जातिवाद कट्टरपंथी भी कहता है केवल अमीर गरीब दोनों के समान सिद्धांत चरितार्थ हो जाएंगे।

17 – घरो पर ज्यादा रहने से परिवारो मे विवाद बढेगे और कई परिवार टूटेगे।

18 – पूंजीवाद व कॉर्पोरेट्जम का सिद्धांत है कि क्रम से सबसे नीचे की आबादी को समाप्त करते चलो। उनका कहना है कि बड़ी मछली छोटी मछली को निगलती है। यह प्राकृतिक है।

इसी प्रकार आदमी को मशीन व मशीन को फिर बड़ी मशीन निगलेगी और इस क्रम मे घटते घटते केवल महाकाय स्वचालित कारखाने बचेंगे। दुनिया मे जनसंख्या घट जायेगी और अभी जो लगभग 8 अरब की आबादी है वह इस छिपे नरसंहार जिसे पूंजीवाद की भाषा में

ष्प्रोसेस ऑफ एलिमिनेशनष कहा जाता है से दुनिया की आबादी घटना शुरू हो जाएगी। और क्रम से 8 अरब की दुनिया घटकर शायद 1 अरब तक भी पहुंच।

19– जब आदमी ही नहीं रहेगा तो न प्रदूषण का संकट होगा ना पर्यावरण का। दुनिया में कुछ एक मशीनीकरण के टापू होंगे बकाया सब प्राकृतिक दुनिया होगी।

मैं आपको भयभीत करने के लिए यह चित्र नहीं खींच रहा हूं बल्कि कोरोना की महामारी और इसके पीछे के छुपे वैश्विक पूंजीवाद के षड़यंत्र और संभावनाओं का तथ्यात्मक चित्र रख रहा हूं। दुनिया को मिटाने को ना प्रलय जरूरी होगा ना किसी और शक्ति की जरूरत होगी। क्योंकि यह सब तो तब होते जब इंसान होते। जब इंसान ही नहीं रहेगा तब की दुनिया शायद ऐसी होगी।

इंसान से इंसान के समापन की यह कहानी दुनिया के किसी भी विश्व युद्ध से ज्यादा खतरनाक होगी।

(विचार–मंथन)

पाक की सोच पर तरस

(लेखक– सिध्दार्थ शंकर)

जम्मू–कश्मीर के हंदवाड़ा में एनकाउंटर के दौरान भारतीय सेना के पांच जवान शहीद हो गए हैं, जिनमें एक कर्नल और एक मेजर रैंक के अधिकारी शामिल हैं। कोरोना संकट के वक्त भी पाक प्रायोजित आतंकवाद रुकने का नाम नहीं ले रहा है। दरअसल, आतंकियों ने एक घर में लोगों को बंधक बना लिया था जिन्हें छुड़ाने के लिए एनकाउंटर शुरू किया गया जिसमें दो आतंकी भी मारे गए। वहीं, नागरिकां को भी बचा लिया गया, लेकिन 5 सैनिकों को शहादत देनी पड़ी। इस घटना ने एक बार फिर पाकिस्तान की करतूत उजागर की है जहां से पाले–पोसे गए आतंकी भारत में तबाही मचाने में लगे हुए हैं। दुनियाभर के देश जहां कोरोना संकट से निपटने में अपनी ऊर्जा और शक्ति का इस्तेमाल कर रहा है पाकिस्तान, भारत के खिलाफ छद्म युद्ध में लडने में लगा हुआ है। कभी सीजफायर का उल्लंघन कर तो कभी अपने भेजे और आतंकियों से हमले करवा कर। पिछले कुछ दिनों से जिस तरह से नियंत्रण रेखा, अंतरराष्ट्रीय सीमा और जम्मू–कश्मीर में पाकिस्तान सैनिकों और पाक प्रायोजित आतंकियों के हमले बढ़े हैं उससे इस्लामाबाद की रणनीति को समझा जा सकता है। कोरोना संकट से प्रभावी तरीके से लड़ रहे भारत का ध्यान ऐसे हमलों से वह दूसरी तरफ खींचने की कोशिश में लगा है ताकि उसकी लड़ाई को कमजोर किया जा सके। वह न सिर्फ भारत की कोरोना के खिलाफ लड़ाई को कमजोर करना चाहता है बल्कि लॉकडाउन की स्थिति का फायदा उठाकर सेना को भी नुकसान पहुंचाने की फिराक में है।

वहीं, पाकिस्तान अपनी करतूत को दुनिया से छिपाने के लिए उलटे भारतीय राजनयिक को तलब कर सीजफायर उल्लंघन के आरोप लगा रहा है। शनिवार को ही भारत के एक वरिष्ठ राजनयिक को तलब किया गया था जबकि शुक्रवार को जम्मू–कश्मीर में पाकिस्तानी सेना की तरफ से हुई फायरिंग में तीन जवान गंभीर रूप से घायल हो गए थे और शनिवार सुबह इनमें से दो जवानों ने दम तोड़ दिया था।

एक तथ्य यह भी है कि पाकिस्तान सिर्फ हथियारों से ही नहीं बल्कि दिमागी रूप से भी भारत के साथ खेलने की कोशिश कर रहा है। शायद वह कोरोना संकट में भारत की वैश्विक लीडर और मद. दगार की छवि से चिढ़ा हुआ है। पता यह भी चला है कि भारत की इस छवि से परेशान इमरान खान ने 21 अप्रैल को आईएसआई चीफ लेफ्टिनेंट जनरल फैज हामिद से मुलाकात की थी। इस मुलाकात में उन्हें आक्रामक रुख अपनाने की सलाह दी गई और इमरान ने ठीक वही किया। उन्होंने भारत पर कश्मीरियों के दमन के आरोप लगाए।

कोरोना संकट के बीच पाकिस्तान की सरकार, सेना, आईएसआई सब भारत विरोधी प्रॉपेगैंडा में लगा हुआ है। इमरान के बाद आर्मी चीफ जनरल कमर जावेद बाजवा का भी बयान आया जिसमें उन्होंने दावा किया कि बालाकोट पर हमला कर भारत ने परमाणु युद्ध की स्थिति पैदा करने की कोशिश की है और सिर्फ पड़ोसी ही नहीं पूरी दुनिया के लिए जोखिम बढ़ा दिया। पाक सेना के जर्नल में बाजवा का लेख प्रकाशित हुआ जिसमें उन्होंने कहा कि बालाकोट एयर स्ट्राइक और कश्मीर से अनुच्छेद 370 से जुड़े फैसले का दक्षिण एशिया के जियो–पॉलिटिकल स्थिति पर दीर्घकालिक असर पड़ेगा। उन्होंने कहा, 'कश्मीर परमाणु युद्ध को निमंत्रण देने का केंद ्रबिंदु बना हुआ है और अंतरराष्ट्रीय नियमों की पूरी तरह अवहेलना करते हुए (प्रधानमंत्री नरेंद्र) मोदी ने न केवल अपने पड़ोसी को खतरे में डाला है, बल्कि पूरी दुनिया के लिए जोखिम बढ़ा दिया है।

पाक की तरफ से सीमा पार से घुसपैठ की कोशिश जारी है और संघर्षविराम का उल्लंघन कर मोर्टार दागे जा रहे हैं जिससे भारतीय सीमा में नुकसान हुआ है। पिछले महीने ही घुसपैठ की कोशिश को नाकाम करते हुए भारतीय सेना ने सिर्फ इसे नाकाम किया बल्कि पांच आतंकियों को भी मार गिराया था। इसके बाद भारत ने पीओके के दूध ानियाल में आतंकियों के लॉन्चपैड को निशाना बनाकर हमला किया और उसे ध्वस्त कर दिया। ये वही लॉन्चपैड है जहां से आतंकी भारत में घुसने के फिराक में थे।

आज का कार्टून।

आखिर क्यों शराब की दुकानें खोली गई अब यही रास्ता है क्या आर्थिक स्थिति सुधारने का इस वैश्विक महामारी में?

आखिर क्यों शराब की दुकानें खोली गई अब यही रास्ता है क्या आर्थिक स्थिति सुधारने का इस वैश्विक महामारी में ?

मौजूदा कोरोना संकट दूसरे सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय संकटों को लाने वाले ज़रियो का ही विस्तार है वास्तव में यह एक तरह के मानक पर दूसरे को प्राथमिकता देने से जुड़ा हुआ है इस महामारी से निपटने में दुनिया की सोच तय करने में इसी आधार की बड़ी भूमिका है ऐसे में जैसे जैसे इस वायरस को लेकर दुनिया की धारणा बन रही है उसे देखते हुए यह सोचना जरूरी है कि हमारा आर्थिक भविष्य क्या शक्ल लेगा? वहीं दूसरी तरफ राजधानी दिल्ली के सभी जिले रेड जोन में शामिल है लेकिन सरकार ने शराब की दुकानों को सोमवार से खोल दिया इसका परिणाम बहुत ही बुरा होगा दोस्तों सुबह–सुबह ही मैं देखा सोशल मीडिया पर कई सारे शराब की दुकानों के पास का भीड़ इकट्ठी तस्वीरें वायरल हो रही है जोकि लॉकडाउन का बहुत ही दर्दनाक मजाक है एक तरफ दोस्तों दिल्ली में रोज सैकड़ों पॉजिटिव केस बढ़ रहे हैं वहीं दूसरी तरफ अपनी कमाई के चक्कर में देशवासियों के जीवन को खतरे में डाला जा रहा है वहीं केरला सरकार ने अभी शराब की दुकानों को खोलने का फैसला नहीं लिया है कुछ सीखने की जरूरत है केरला से भी क्या दिल्ली व देश की अर्थव्यवस्था अब शराबियों व नशेड़ीयो के सहारे चलाई जाएगी? शराब व सिगरेट बीड़ी की दुकान खोलते ही एक मजाक बन गया है लॉकडाउन दोस्तों हम सब जानते हैं कि मध्यमवर्ग और जो लोग कुआं रोज खोदते हैं रोज पानी पीते हैं उनकी हालात इस वैश्विक महामारी में पहले ही बहुत बुरी हो चुकी हैं अब शराब की दुकानें खुल जाने से यह अपने ही घर के कीमती वस्तुएं जेवरात और कर्ज लेकर शराब पिएंगे जो कल तक बच्चों के दूध किसी तरह आते थे वह भी बंद हो जाएगा और छोटा बच्चा भूखे मरेगा इस फैसले पर सरकार को तत्काल रोक लगाने की जरूरत है मैं जब से होश संभाला हूं तंबाकू गुटका और शराब अपने भारत देश से ही हमेशा के लिए बंद करने के लिए कई बार आंदोलन किया कई राष्ट्रीय टीवी पर भी मैंने आवाज उठाया राज्यसभा टीवी पर कई बार मैंने आवाज उठाया कि जैसे बिहार और मिजोरम की तरह पूरे देश में तंबाकू शराब को बंद किया जाए बिहार में कई घर बर्बाद होते हुए अपनी आंखों से देखा शराब के पीने के ही कारण अपने घर में हिंसा करते हुए शराबियों को देखा इसलिए मैं रोड पर उतर कर आंदोलन किया आज बिहार और मिजोरम में कानूनी रूप से शराब तो बंद है वैसे ही दोस्तों पूरे देश में बंद करने की जरूरत है अभी पिछले दिन ही महिला आयोग का रिपोर्ट आया था कि लॉकडाउन के कारण घरों में होने से हिंसा की घटनाओं में बढ़ोतरी हुई है वहीं जब शराब परोसा जाएगा तब फिर हालात क्या होगा यह सोचने की जरूरत है स आखिर क्यों जब सारा फोकस पूरे दुनिया का कोबिड –19 के खिलाफ चल रही जंग पर होना चाहिए और हमें इस महामारी से लड़ रहे मेडिकल स्टाफ व किसान और देश के जनता के बारे में सोचना चाहिए तब सरकार इस जल्दबाजी में है कि कैसे शराब की फैक्ट्रियां शुरू की जाए और कर भी दिया गया दिल्ली के अलग–अलग जगहों से जो तस्वीरें देखने को है काफी चिंताजनक है इस पर तत्काल भारत सरकार को सोचने की जरूरत है नहीं तो अनर्थ हो जाएगा

कवि विक्रम क्रांतिकारी(विक्रम चौरसिया– अंतरराष्ट्रीय चिंतक)
दिल्ली विश्वविद्यालय/आईएएस अध्येता 9069821319 लेखक

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कोटा में फंसे बिहार के 1200 छात्र पहुंचे घर

बेगूसराय। लॉकडाउन के चलते कोटा में फंसे बिहार के छात्रों को थोड़ी राहत मिली है। कोटा से करीब 1200 छात्र–छात्रों को लेकर एक स्पेशल ट्रेन सोमवार सुबह बेगूसराय के बरौनी जंक्शन पहुंच गई। स्टेशन पर ही स्वास्थ्य कर्मियों ने छात्र–छात्राओं की स्वास्थ्य जांच की। इसके बाद इन छात्र–छात्राओं को उनके गृह जिले में भेजा जाएगा। इसके लिए प्रशासन की ओर से बसों की व्यवस्था की गई है। राजस्थान के कोटा से छात्रों को लेकर चली स्पेशल ट्रेन सोमवार सुबह बरौनी जंक्शन पहुंच गई। इस ट्रेन में मुंगेर प्रमंडल के 8 जिले के 12 सौ से ज्यादा छात्र और छात्राएं बरौनी पहुंचे हैं। सबसे पहले छात्रों को स्टेशन पर ही स्वास्थ्य कर्मियों ने स्वास्थ्य जांच की। जांच के बाद सभी छात्र–छात्राओं को अपने–अपने जिला भेजा जाएगा, इसके लिए प्रशासन की ओर से बस की व्यवस्था की गई है। जिला पहुंचने के बाद छात्र–छात्राओं को प्रखंड स्तर पर बनाए गए क्वारंटीन सेंटर में रखा जाएगा। कोटा में फंसे छात्र–छात्राओं ने बताया कि लॉकडाउन की वजह से उन्हें काफी परेशानी झेलनी पड़ रही थी। छात्रों को न तो सही से खाना मिल रहा था, ना ही खाना बनाने के लिए राशन ही उपलब्ध हो पा रहा था।

शराब दुकान खुलते ही लगी लंबी कतारें

लंबे समय से मायूस मदिराप्रेमियों के चेहरे खिले

बिलासपुर । लॉक डाउन के बाद ही नहीं बल्कि वित्तीय वर्ष 2020–21 के भी पहले दिन सोमवार को जब शराब दुकानें खुली तो शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में लंबी–लंबी कतारें नजर आने लगी। इन कतारों की सबसे खास बात यह थी कि कल तक जिस मजदूर वर्ग के पास खाने को कुछ नहीं था। राशन खरीदने के पैसे नहीं थे, वे भी शराब खरीदने की कतार में नजर आने लगे हैं। शायद उनके पास जो मुद्रा है उस मुद्रा की यही विशेषता है कि उस मुद्रा से राशन और सब्जिया तो नहीं मिलती, लेकिन वह मुद्रा शराब जरूर दिला सकती है। कल तक सरकार को इस बात पर कोसने वाले कि उनका काम धाम बंद है, कमाई ढेला भर नहीं है, उनका घर कैसे चलेगा, यह फिक्र सरकार नहीं कर रही, उन तक राशन नहीं पहुंचा रही, पता नहीं अचानक से उन लोगों के पास कहां से धन वर्षा हो गई कि वह लोग भी नगद शराब खरीदने शराब दुकान में पहुंच गए।

केंद्र सरकार के आदेश के बाद छत्तीसगढ़ राज्य सरकार ने भी शराब खरीदी बिक्री को मंजूरी दे दी। इसके बाद सोमवार सुबह 9:00 बजे से शराब दुकानें खुल गई । करीब 40 दिन बाद शराब दुकान गुलजार होने से रौनक वापस लौट आई। सोशल डिस्टेंस का पालन कराने अधिकांश शराब दुकानों में बैरिकेडिंग की गई है, तो वही मार्किंग कर एक दूसरे से पर्याप्त दूरी बनाने के संकेत भी तय किए गए हैं। कुछ शराब दुकानों में बिना मास्क लगाए ग्राहकों को शराब नहीं दिया जा रहा तो कहीं कहीं इस नियम का पालन नहीं हो रहा है। लॉक डाउन के दौरान शराब दुकान कई शर्तों के साथ खोली गई है । सभी ग्राहकों को एक निश्चित मात्रा में ही शराब की बिक्री की जा रही है। प्रति व्यक्ति दो बोतल से अधिक शराब नहीं दी जा रही तो वही नए वित्तीय वर्ष में शराब की कीमत भी बढ़ गई है । देसी शराब दुकान में जो प्लेन शराब 60 रु की हुआ करती थी उसकी कीमत अब 80 रु हो चुकी है तो वहीं 70 रु मसाला की कीमत भी 90 रु कर दी गई है लेकिन इसके बाद भी मदिरा प्रेमियों का उत्साह तनिक भी कम नही हुआ । दुकान खोलने से पहले ही देशभर में शराब दुकानों के बाहर लंबी लंबी कतार नजर आने लगी। जिसमें मध्यम वर्ग से लेकर निम्न आय वर्ग और यहां तक कि रोजी मजदूरी करने वाले भी खड़े नजर आए। सबसे ज्यादा हैरानी इस बात की है कि कल तक जो लोग इस बात का रोना रो रहे थे कि उनके पास फूटी कौड़ी नहीं है, अचानक शराब खरीदने के लिए पता नहीं उनके पास कहां से पैसे आ गए। इसी से एक वर्ग की मंशा समझी जा सकती है, जिनकी सोच यही है कि उनका और उनके परिवार की भूख मिटाने की जिम्मेदारी सरकार और स्वयंसेवी संस्थाओं की है। यानी जाहिर है यह लोग झूठ बोल रहे थे। इनके पास पैसे थे लेकिन यह वर्ग हमदर्दी हासिल करने झूठी कहानी गढ़ रहे थे , जाहिर है अब शराब दुकान खुल जाने से महिलाओं और परिवार के बच्चों का निवाला छीन जाएगा। घर के मर्द घर की पूंजी शराब खरीदने में खर्च करेंगे। 40 दिन तक गांव और घर में जो खुशी थी वह अब एक बार फिर कलह में तब्दील होगी लेकिन केंद्र और राज्य सरकार को भी राजस्व हासिल करना है और एक बड़े वर्ग की नाराजगी भी वह लंबे वक्त तक नहीं झेल सकती, इसीलिए शराब दुकान खोलने को मंजूरी दे दी गई। देसी विदेशी शराब दुकान के साथ प्रीमियम शराब दुकानों में भी पहले दिन अच्छी खासी भीड़ नजर आ रही है। शराब दुकान सुबह 9:00 बजे से दोपहर 4:00 बजे तक ही खुली है और लोग इसे लेकर भी पूरी तरह आश्वस्त नहीं है कि कब तक दुकानें खुलती रहेंगी इसलिए सब की कोशिश है कि अधिक से अधिक मात्रा में शराब खरीद कर स्टॉक कर लिया जाए। इसी मंशा को भांपते हुए शासन ने भी प्रति व्यक्ति 2 बोतल अंग्रेजी और देसी शराब और 4 बोतल बियर की सीमा निर्धारित कर दी है, इसलिए कई मदिरा प्रेमी अधिक संख्या में अपने साथियों के साथ आकर कतार में खड़े हो

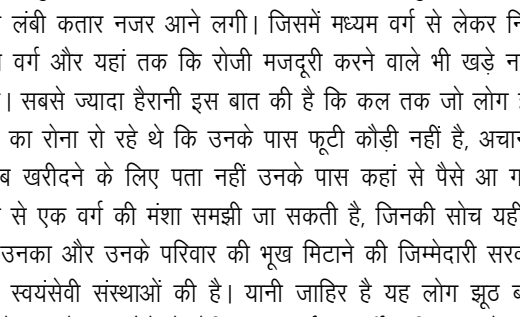

गए हैं , जिससे कि भी वे अधिक से अधिक स्टॉक हासिल कर सकें। इस कारण से भी शराब दुकानों के बाहर अधिक भीड़ नजर आ रही है , वैसे भी मदिरा प्रेमियों का 40 दिन का वनवास समाप्त हुआ है फिर ऐसी बेसब्री तो नजर आनी ही थी। जिन लोगों के पास राशन खरीदने के भी पैसे नहीं थे उनमें शराब खरीदने की होड़ समाज में वितृष्णा पैदा कर रही है। ऐसे लोग अपने प्रति सहानुभूति भी खो रहे हैं तो वही शराब दुकान के साथ पान और तंबाकू दुकान नहीं खोलने का भी एक बड़ा वर्ग विरोध कर रहा है। सिगरेट, शराब, तंबाकू के शौकीनों के लिए शौक बड़ी चीज है। खाना तो कोई ना कोई पहुंचा ही देगा, इसलिए असली फिक्र तो इन्हीं चीजों की है, जिसके लिए उन्होंने अब तक अपने पैसे संभाल कर रखे थे, लिहाजा अब अपने शौक के लिए वे खुलकर खर्च कर रहे हैं और यही कारण है कि सभी शराब दुकान है खूब गुलजार है,

प्रवासी श्रमिकों के लिए बने क्वारंटीन सेन्टर पर नजर रखें आलाधिकारी–योगी

लखनऊ । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विभिन्न राज्यों से प्रदेश वापस आ रहे प्रवासी कामगारों, श्रमिकों के लिए स्थापित क्वारंटीन सेन्टर, आश्रय स्थलों तथा कम्युनिटी किचन की व्यवस्थाओं में सम्बन्धित जिलाधिकारी को सहयोग प्रदान करने के लिए सभी 75 जनपदों में आईएएस तथा वरिष्ठ पीसीएस अधिकारियों को भेजने के निर्देश दिए हैं। यह अधिकारी सम्बन्धित मण्डलायुक्त के निर्देशन में कार्य करेंगे। इस कार्य के लिए उन्होंने ऐसे अधिकारियों को ही नामित किए जाने के निर्देश दिए जो किसी भी प्रकार से कोविड–19 के नियन्त्रण आदि कार्यों से जुड़े नहीं हैं। उन्होंने कहा कि कोरोना को हराने के लिए हर स्तर पर बेहतर कार्य करने की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री सोमवार को यहां एक उच्चस्तरीय बैठक में लॉकडाउन व्यवस्था की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विभिन्न राज्यों से प्रदेश लौटने वाले प्रवासी कामगारों, श्रमिकों को क्वारंटीन सेन्टर भेजते हुए वहां उनका स्वास्थ्य परीक्षण किया जाए। इसके लिए पर्याप्त संख्या में मेडिकल टीम गठित की जाएं। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि क्वारंटीन सेन्टर तथा शेल्टर होम में लोगों के लिए कम्युनिटी किचन के माध्यम से भोजन की सुचारू व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। अलग–अलग अधिकारियों द्वारा क्वारंटीन सेन्टर तथा कम्युनिटी किचन का निरीक्षण किया जाए। इनमें साफ–सफाई तथा सुरक्षा के पुख्ता इन्तजाम किए जाएं। उन्होंने कहा कि कम्युनिटी किचन पहले से ही जियो टैग हो चुके हैं। इसी क्रम में क्वारंटीन सेन्टर को भी जियो टैग किया जाए। इसका लाभ यह होगा कि राहत कन्ट्रोल रूम की वीडियो वॉल से क्वारंटीन सेन्टर की लोकेशन तथा वहां पर संचालित कार्यवाही की जानकारी प्राप्त की जा सकेगी। उन्होंने कहा कि हेल्थ चेकअप में स्वस्थ पाये गये लोगों को 14 दिन की होम क्वारंटीन के लिए घर भेजते समय राशन किट उपलब्ध कराया जाए। निराश्रित व्यक्तियों को राशन किट के साथ 01–01 हजार रुपए का भरण–पोषण भत्ता भी दिया जाए। अस्वस्थ लोगों के उपचार की व्यवस्था की जाए।

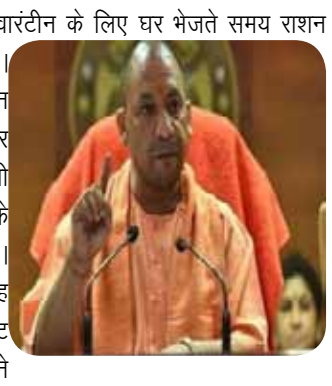

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि हॉट स्पॉट में रहने वाले कर्मी अपने कार्य स्थल पर न आयें, क्योंकि ऐसे लोगों की कोरोना कैरियर बनने की सम्भावना रहती है। इसका भी ध्यान रखा जाए कि लोग अनिवार्य रूप से मास्क अथवा फेस कवर आदि पहन कर ही बाहर निकलें। बच्चों के टीकाकरण कार्य में सोशल डिस्टेंसिंग का पालन कराया जाए। उन्होंने कहा कि डॉक्टरों तथा पैरामेडिकल स्टाफ को तेजी से प्रशिक्षित किया जाए। इमरजेन्सी सेवाएं उपलब्ध कराने वाली राजकीय एवं निजी नॉन–कोविड अस्पतालों की सूची संकलित की जाए। पूल टेस्टिंग को बढ़ावा देते हुए टेस्टिंग क्षमता में वृद्धि की जाए। सभी वेंटीलेटर फंक्शनल रखे जाएं। आगरा, लखनऊ, मेरठ, कानपुर नगर, मुरादाबाद, सहारनपुर, फिरोजाबाद आदि जनपदों में विशेष निगरानी की आवश्यकता है। इन जनपदों से प्रभावी संवाद बनाकर यहां की समस्याओं का निराकरण कराया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोविड–19 से आर्थिक गतिविधियों प्रभावित हुई हैं। इसलिए राजस्व वृद्धि के वैकल्पिक स्रोत चिन्हित करने के लिए कार्ययोजना बनायी जाए। प्रवासी कामगारों तथा श्रमिकों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए इन्हें एक जनपद–एक उत्पाद योजना, विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना तथा दुग्ध समितियों से जोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि राशन कार्ड की नेशनल पोर्टेबिलिटी योजना से प्रदेश के जुड़ जाने से यहां रह रहे महाराष्ट्र के मूल निवासियों ने खाद्यान्न प्राप्त किया है। इसी प्रकार गोवा और कर्नाटक राज्यों में प्रदेश के मूल निवासियों ने इस योजना का लाभ उठाकर वहां खाद्यान्न प्राप्त किया। उन्होंने इस योजना के बारे में अधिक से अधिक लोगों को जागरुक करने के निर्देश दिए, ताकि वे इसका लाभ ले सकें।

पुलिस की चालानी कार्रवाई पर डीजीपी ने लगाई रोक

बेवजह घूमने वालों को नहीं बक्शा जाएगा

बिलासपुर । लॉकडाउन के दौरान आमजनों को हो रही परेशानी को ध्यान में रखकर डीजीपी डीएम अवस्थी ने ट्रैफिक पुलिस की चालानी कार्रवाई पर रोक लगा दी है। रायपुर समेत प्रदेश के सभी पुलिस कप्तानों को आदेश जारी कर कड़ाई से निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने को कहा है। हालांकि आदेश में उद्दड प्रकृति और बेवजह सड़कों पर घूमने वाले दोपहिया चालकों के खिलाफ चालानी कार्रवाई जारी रखने को कहा है।

डीजीपी ने कहा है कि जरूरी सामान के लिए घर से निकलने वाले लोगों को रोक कर हेलमेट, गाड़ी के कागजात चेक कर चालान न किया जाए, लोग वैसे ही लॉकडाउन से कष्ट में हैं, ऐसे में उन्हें चालानी कार्रवाई के नाम पर परेशान करना सही नहीं है।

इसके साथ ही डीजीपी ने यह भी कहा कि जो लोग लॉकडाउन का उल्लंघन कर रहे हैं, बिना वजह घूम रहे हैं, जो गाड़ियां बिना कारण दौड़ा रहे हैं, उनके खिलाफ सख्ती बरतें और कार्रवाई करें। रविवार को इसका नजारा भी चौराहे पर दिखा। बिना मास्क, हेलमेट के दोपहिया में दो–दो लोग बेखौफ होकर घूमते रहे।

लॉकडाउन के दौरान शहर की सड़कों पर वाहनों की आवाजाही को ध्यान में रखकर ट्रैफिक पुलिस ने पिछले दिनों दूसरी बार शहर के सभी चौक–चौराहे का ट्रैफिक सिग्नल यह कहकर चालू करा दिया था कि सिग्नल बंद होने से फर्राटा भरने वाले वाहन टकरा रहे थे। इससे हादसे का खतरा बढ़ गया था। हालांकि सिग्नल चालू होने के बाद भी शारीरिक दूरी का पालन नहीं होने से लॉकडाउन के नियमों की धज्जियां उडऩे लगी थीं।

नाराजगी के कारण लगी रोक

ट्रैफिक पुलिस के अधिकारी हर चौक–चौराहों पर भीड़ जमा कर तीन सवारी, बिना हेलमेट, बिना मास्क के वाहन चलाने वालों को पकड़कर चालान काटने में लगे रहे। इस दौरान आवश्यक वस्तु लेने निकलने वाले लोग भी पुलिस की चेकिंग में फंसकर चालान भरने को विवश थे। चालान चालानी कार्रवाई करने को लेकर लोगों में खासी नाराजगी थी। जनप्रतिनिधियों तक ने मोर्चा खोल रहा था। लगातार

शिकायत होने पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देश के बाद डीजीपी ने सभी एसपी को निर्देश जारी किया। निर्देश में कहा गया कि ट्रैफिक अमले को इस समय वाहनों का चालान कर जुर्माना वसूलने के बजाए व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करने की ओर ध्यान दिया जाना चाहिए। शहर के अंदर चेकिंग पाइंट बना कर ट्रैफिक पुलिस की ओर से की जा रही चालानी कार्रवाई पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाने के आदेश मिलने पर रविवार से पुलिस ने चालानी कार्रवाई बंद कर दी

मजदूरों से नहीं लेंगे कोई किराया, एक–एक हजार रुपए देंगे : नीतीश

पटना । प्रवासी मजदूरों के रेल किराए पर बिहार सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को कहा कि किसी भी मजदूर को पैसा देने की जरूरत नहीं है। सभी मजदूरों को क्वारेंटाइन सेंटर में रखा जाएगा और इसके बाद उन्हें एक–एक हजार रुपए दिए जाएंगे।

सीएम नीतीश कुमार ने कहा मैं बिहार के लोगों को वापस भेजने के सुझाव पर विचार करने के लिए केंद्र को धन्यवाद देना चाहता हूं। अन्य राज्यों में फंसे बिहार के लोगों को वापस बिहार भेजने के लिए केंद्र को शुक्रिया। किसी को भी टिकट के लिए भुगतान नहीं करना पड़ेगा। उनके लिए यहां क्वारनटीन सेंटर बनाया गया है।

सीएम नीतीश कुमार ने कहा बाहर से आए सभी प्रवासी 21 दिनों तक क्वारनटीन सेंटर में रहेंगे। इसके बाद उन्हें एक–एक हजार रुपए की न्यूनतम राशि बिहार सरकार की ओर से दी जाएगी। इस योजना के तहत राज्य सरकार ने 19 लाख लोगों को पहले ही एक–एक हजार रुपए दिए थे। इससे पहले राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव ने बिहार सरकार पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा था कि हम शुरुआती तौर पर बिहार सरकार को अपनी तरफ़ से 50 ट्रेनों पर आने वाला खर्च देने को तैयार हैं।

सरकार आगामी 5 दिनों में ट्रेनों का बंदोबस्त करें, पार्टी इसका किराया तुरंत सरकार के खाते में ट्रांसफ़र करेगी। तेजस्वी यादव ने अपने ट्वीट में लिखा था 15 साल वाली डबल इंजन सरकार बिहारी मज़दूरों को वापस नहीं लाने के बहाने खोजकर टाल–मटोल कर रही है। 5 दिनों में 3 ट्रेनों से लगभग 3500 लोग ही वापस आ पा रहे है। कभी किराया, कभी संसाधनों तो कभी नियमों का रोना रोते है। नीतीश सरकार की मंशा मज़दूरों को वापस लाने की कतई नहीं है।'

गंडक नदी में नाव डूबी, 5 लोगों ने तैरकर बचाई जान, तीन लापता

गोपालगंज । बिहार के गोपालगंज जिले में बहने वाली गंडक नदी में यात्रियों से भरी नाव पानी में डूब गई। इस नाव पर 8 लोग सवार थे। 5 लोगों ने तैर कर अपनी जान बचा ली है। वहीं, तीन लोग लपता बताए जा रहे हैं। लापता यात्रियों में 20 वर्षीय अरुण कुमार, 16 वर्षीय

प्रियंका और 10 वर्षीय गुड़िया का नाम शामिल है। तीनों लापता पतहरा गांव के ही रहने वाले हैं। इनकी तलाश की जा रही है। नाव हादसा सुबह करीब 10 बजे का हुआ है। इस भीषण हादसे का कारण गंडक नदी में तेज बहाव और नाव में यात्रियों का अधिक होना बताया जा रहा है। इससे नाव का नियंत्रण बिगड़ गया और वह पानी में डूब गई। वहीं, नाव हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस भी दल बल के साथ मौके पर पहुंच गई है। जादोपुर थानाध्यक्ष दिनेश यादव के नेतृत्व में रेस्क्यू ऑपरेशन चल रहा है। इस मामले में सदर सीओ विजय कुमार सिंह ने कहा कि जादोपुर के पतहरा में नाव हादसा हुआ है। हादसे के दौरान नाव पर कुल 8 लोग सवार थे। सभी लोग नदी की दूसरी तरफ तरबूज लेने जा रहे थे। नदी की दूसरी तरफ जैसे ही नाव किनारे पर पहुंची तो वह अनियंत्रित होकर डूब गई। थानाध्यक्ष दिनेश यादव ने बताया कि नाव के डूबते ही उसपर सवार 8 लोग भी नदी में डूब गए। हालांकि, 5 लोग तैरकर किसी तरह नदी से बाहर निकल गए और अपनी जान बचा ली। इस हादसे में अरुण कुमार, प्रियंका और गुड़िया लापता बताए जा रहे हैं। स्थानीय लोग इनकी तलाश कर रहे हैं। इस बीच मुजफ्फरपुर से एनडीआरएफ की टीम घटनास्थल के लिए रवाना हो चुकी है। प्रशासन ने मृतकों के परिजनों को 4– 4 लाख रुपए मुआवजा देने की घोषणा की है।

पत्नी की अर्थी को कंधा देने नहीं मिले लोग, शव लेकर 20 घंटे यात्रा कर लुधियाना से गांव पहुंचा मजदूर

बलरामपुर । कोरोना संकट के दौर में जिंदगियां बचाने के लिए तमाम जतन जारी हैं, वहीं दूसरी ओर इंसानियत की परीक्षा भी हो रही है। बलरामपुर जिले में ऐसा ही मामला सामने आया है।जहां लुधियाना में मजदूरी करने वाले युवक को अपनी पत्नी के शव को कंधा देने वाले चार लोग नहीं मिले, तब उस लोगों से 27 हजार कर्ज लेकर एम्बुलेंस से अपनी पत्नी का शव अपने गांव लाना पड़ा। गांव पहुंचे युवक और उसके तीन बच्चों को गांव में बने पृथक केंद्र में भेज दिया गया है। दद्दन (32) अपनी पत्नी और तीन छोटे–छोटे बच्चों के साथ लुधियाना में रहकर मजदूरी करता था। गत 26 अप्रैल को अपनी गर्भवती पत्नी की तबियत खराब होने पर लुधियाना के सिविल अस्पताल ले गया। जहां डॉक्टरों ने पत्नी को मृत घोषित कर कोरोना जांच रिपोर्ट आने तक शव देने से इनकार कर दिया।

दद्दन के परिजन के मुताबिक वह अपने छोटे–छोटे बच्चों को लेकर घर और अस्पताल के बीच भटकता रहा। चार दिन बाद कोरोना जांच रिपोर्ट नेगेटिव आने के बाद अस्पताल प्रशासन ने पत्नी गीता का शव सौंपा दिया। दद्दन ने बताया कि लॉकडाउन के बाद काम बंद हो जाने के बाद से जो कुछ पैसा उसके पास बचा था वह भी खत्म हो गया। आर्थिक तंगी के कारण शव का अंतिम संस्कार लुधियाना में ही करने का फैसला किया लेकिन पड़ोसियों ने कोरोना और लॉकडाउन के कारण हाथ खड़े कर दिए। जब अर्थी को कंधा देने के लिए चार लोग भी नहीं मिले,तब लोगों से 27 हजार रुपये कर्ज लेकर एम्बुलेंस से अपनी पत्नी का शव रखवाया और अपने गांव आने के लिए निकल पड़ा।

दद्दन ने बताया कि वह करीब 20 घंटे लगातार सफर के बाद शुक्रवार को अपने गांव कठौवा पहुंचा। हालांकि, गांव पहुंचते ही ग्राम प्रधान और स्वास्थ्य विभाग की टीम ने उस और उसके तीन बच्चों मधु (सात), सुमन (छह) और शिवम (पांच) को गांव के प्राथमिक विद्यालय में बने पृथक केंद्र में भेज दिया। ग्राम प्रधान सुशील तिवारी ने बताया कि दद्दन की पत्नी की कोरोना जांच रिपोर्ट नेगेटिव आई है। लुधियाना सिविल अस्पताल की रिपोर्ट को देखकर परिवार वालों के साथ मिलकर दद्दन की पत्नी गीता का अंतिम संस्कार कर इसकी सूचना प्रशासन को दे दी गई है। पुलिस अधीक्षक देव रंजन वर्मा ने बताया कि दद्दन और उसके बच्चों की कोविड–19 जांच कराई जा रही है। रिपोर्ट में संक्रमण की पुष्टि नहीं होने पर 14 दिन बाद उन्हें छोड़ दिया जाएगा।

आपसी विवाद में युवक की हत्या, तीन गिरफ्तार

जौनपुर । जिले के रामपुर क्षेत्र में आपसी विवाद में एक युवक की हत्या कर दी। इस मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जानकारी के मुताबिक रामपुर क्षेत्र के आशानंदपुर ग्रामसभा के बिहरा गांव में रविवार की देर शाम गांव के बाहर पशु चराने के विवाद में सुल्तान का गांव के अन्य बच्चों से विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ा की देर शाम उनमें मारपीट हो गई। सुल्तान के परिजनों का आरोप है कि गांव के गोलू, करिया, गौतम, चंदन, सोनू, रोहित समेत अन्य लोग लाठी डंडा लेकर आये और सुल्तान की निर्मम पिटाई कर दी जिससे वह घायल हो गया। परिजनों ने घायल सुल्तान को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया। जहां इलाज के दौरान रात में ही मृत्यु हो गई। पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार ने रात में घटनास्थल का निरीक्षण किया। उसके बाद बिहरा गांव को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले को लेकर गांव में तनावपूर्ण शांति बनी हुई है। इस मामले में तीन लोंगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही हैं।

पुलिस ने 15 जमातियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा, इनमें 12 बांग्लादेशी

शामली । कोरोना वायरस की बीमारी को फैलाने के लिए दिल्ली के निजामुद्दीन मरकज की तबलीगी जमात पिछले कुछ दिनों से चर्चा में है। राज्यों की सरकारें कोरोना के तेजी से फैलने के लिए जमात को जिम्मेदार ठहराती रही हैं। जमात में शामिल होने के बाद उत्तर प्रदेश पहुंचे जमातियों की तलाश कर उन्हें क्वारेंटाइन किया गया था। अब यह अवधि पूरी होने पर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू हो गई है।

उत्तर प्रदेश के शामली में पुलिस ने 15 जमातियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए जमातियों में 12 बांग्लादेशी भी शामिल हैं। पुलिस ने एक माह पूर्व इनके खिलाफ वीजा उल्लघंन और महामारी अधिनियम सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया था। बताया जाता है कि यह सभी जमाती बिना पुलिस और एलआईयू को सूचना दिए शामली में रह रहे थे।

पुलिस के अनुसार 12 विदेशी नागरिक टूरिस्ट वीजा लेकर शामली पहुंचे थे, लेकिन धर्म का प्रचार कर रहे थे। जबकि 3 लोग असम के रहने वाले थे। पूरा मामला जिले के थाना भवन थाना क्षेत्र का है। जानकारी के अनुसार 15 लोगो की जमात भैसानी इस्लामपुर गांव की मक्का मस्जिद में बाहर से आकर रुकी थी। इनमें 12 बांग्लादेशी थे, जो टूरिस्ट वीजा लेकर शामली पहुंचे थे। शामली पुलिस ने लगभग एक माह पूर्व इन सभी के खिलाफ वीजा नियमों का उल्लंघन करने सहित कई धाराओं में मुकदमा दर्ज किया था। सभी जमातियों को मदरसे से पकड़कर क्वारेंटाइन किया गया गया था। इनमें से कुछ लोग कोरोना पॉजिटिव भी पाए गए थे, जिनके पूरी तरह ठीक होने और क्वारेंटाइन की अवधि पूरी होने के बाद पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अनुष्का शर्मा ने लिखी कविता

बॉलिवुड की टैलंटेड ऐक्ट्रेस अनुष्का शर्मा अपना ने हाल में अपना 32 वां जन्मदिन मनाया हैं। हालांकि लॉकडाउन के चलते उन्होंने किसी प्रकार का बड़ा सेलिब्रेशन नहीं रखा है लेकिन सोशल मीडिया पर उनके चाहने वाले लगातार बधाइयां दे रहे हैं। अपने जन्मदिन के मौके पर अनुष्का शर्मा ने सोशल मीडिया पर एक कविता लिखी हैं। वहीं, उनके पति और भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान विराट कोहली ने प्यारा पोस्ट शेयर किया है। इसमें वह अनुष्का शर्मा को केक खिलाते नजर आ रहे हैं। इस तस्वीर के साथ उन्होंने लिखा, 'आप मेरा प्यार इस दुनिया में रोशनी लाएं। आप रोज मेरी दुनिया को रोशन करती हो। मैं तुमसे प्यार करता हूं।' बता दें कि कोरोना वायरस के चलते जारी लॉकडाउन की वजह से अनुष्का शर्मा और विराट कोहली मुंबई में हैं। उन्होंने इस बारे में कहा था कि हम पहली बार इतना वक्त साथ बिता रहे हैं। वहीं, वर्कफ्रंट पर अनुष्का शर्मा आखिरी बार डायरेक्टर आनंद एल रॉय की फिल्म 'जीरो' में नजर आई थीं। इस फिल्म में उनके साथ शाहरुख खान थे। हालांकि ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर नहीं चली।

कृति ने आखे बंद कर बजाई बेला सियाओ का धुन

मुंबई । देशभर में लागू लॉकडाउन के बीच बॉलीवुड की मशहूर हस्तियां अपने हुनर का परिचय दे रही हैं। हाल में अभिनेत्री कृति खरबंदा के कथित बॉयफ्रेंड व अभिनेता पुलकित सम्राट ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा किया है। इस वीडियो में अभिनेत्री बेला सियाओ का धुन बजा रही हैं, जो कि एक स्पेनिश शो 'मनी हीस्ट' का टाइटल ट्रैक है। इस वीडियो के कैप्शन में पुलकित ने लिखा कि, ष्हैशटैगबेलासियाओ तो बनता है, ध्यान से देखिए..दोनों आंखें खोल के।ष बता दें कि 'मनी हीस्ट' अपने चौथे भाग के साथ नेटफ्लिक्स पर वापस लौटा है। वहीं हाल ही में पुलकित ने कृति के लिए झींगा मछली बनाया था। कृति ने इंस्टाग्राम पर पुलकित द्वारा बनाए गए झींगा कढ़ी की तस्वीर साझा की थी।

ऐंजेलिना जोली ने किया इरफान को याद

इरफान के निधन के बाद उनकी हॉलिवुड को–स्टार ऐंजेलिना जोली ने उनको याद किया। बता दें कि 2007 में उन्होंने हॉलिवुड फिल्म 'अ माइटी हार्ट' में इरफान के साथ काम किया था। इस पर ऐंजेलिना ने कहा कि इरफान के साथ काम करना उनके लिए प्रिविलेज की बात है। वह क्राफ्ट के लिए उनके कमिटमेंट की तारीफ करती हैं। उन्होंने उनकी स्माइल को भी याद किया और कहा कि क्राफ्ट के लिए उनके कमिटमेंट और साथ ही स्माइल के लिए मैं उनको याद करती हूं। अपनी तरफ से उनके परिवार, दोस्तों और उनके भ. ारत और पूरी दुनिया में फैंस के लिए सांत्वना भेजती हूं। बता दें कि फिल्म 'अ माइटी हार्ट' यूएस जर्नलिस्ट के बारे मेंथी जिसकी 2002 में पाकिस्तान में हत्या कर दी गई थी। इस फिल्म में इरफान ने कराची के चीफ पुलिस अफसर जीशान काजमी का रोल किया था।

अनन्या पांडे की नजरों में दीपिका अंदर से खूबसूरत

निर्देशक शकुन बत्रा की फिल्म में अनन्या पांडे पहली बार दीपिका पादुकोण संग नजर आएंगी। उन्होंने हाल ही में एक इंटरव्यू में दीपिका संग काम करने को लेकर अपनी राय जाहिर की है। अनन्या ने कहा कि 'आपको ऐसा नहीं लगेगा कि वे एक स्टार हैं और ओवरपावर कर रही हैं। आपको बिल्कुल दोस्त जैसा महसूस होगा। दीपिका बाहर से ज्यादा अंदर से खूबसूरत हैं।' इस दौरान एक्ट्रेस ने रणवीर सिंह के साथ काम करने और हॉरर फिल्में करने की भी इच्छा जाहिर की। वहीं, अनन्या शकुन बत्रा की फिल्म को लेकर भी एक्साइटेड हैं। इस फिल्म में सिद्धांत चतुर्वेदी भी हैं। बता दें कि शकुन बत्रा ने इससे पहले कपूर एंड संस और एक मैं और एक तू फिल्में बनाई थीं। वहीं, वर्कफ्रंट पर अनन्या पांडे पती, पत्नी और वो में नजर आईं थी। वहीं, उनके अपकमिंग प्रोजेक्ट में ईशान खट्टर के साथ खाली–पीली और विजय देवराकोंडा के साथ फाइटर फिल्म है।

कोरोना से लड़ने के लिए एमजी मोटर्स ने गुजरात को डोनेट की हैक्टर एंबुलेंस

नई दिल्ली । भारत में कोरोना वायरस संक्रमण रोकने के लिए सरकार के अलावा लोग और संगठन भी मदद के लिए आगे आए हैं। कार निर्माता कंपनी एमजी मोटर्स ने भी मदद का हाथ बढ़ाया है। एमजी मोटर इंडिया ने पहले भी कई राहत योजनाएं घोषित की हैं और इस बार कंपनी ने कोरोना महामारी से लड़ने के लिए अपनी डेडिकेटेड हैक्टर एंबुलेंस गुजरात को डोनेट की है। एमजी मोटर्स इंडिया ने गुजरात सरकार को हैक्टर ऐंबुलेंस डोनेट की है, जिसकी मदद से कोरोना वायरस संक्रमित मरीजों को ले जाया जाएगा। एमजी हेक्टर ऐंबुलेंस कंपनी की ओर से गुजरात सरकार में मंत्री जयद्रथ सिंह परमार को सौंपी गई। इस कस्टम मेड हेक्टर ऐंबुलेंस में कई लाइफ सेविंग फीचर दिए गए हैं और मेडिकल उपकरण दिए गए हैं।

कंपनी ने खास तौर पर हेक्टर को ऐंबुलेंस की शक्ल में तैयार किया है और इसमें ऑटो लोडिंग स्ट्रेचर, सिलिंडर के साथ आ. क्सीजन सप्लाई सिस्टम, पांच पैरमीटर मॉनीटर्स के साथ मेडिकल

कैबिनेट जैसे फीचर्स जोड़े गए हैं। ऐंबुलेंस में एक्सटीरियर लाइट बार, सायरन से लेकर इनवर्टर–बैट्री और एडिशनल लाइटिंग के लिए सॉकेट्स दिए गए हैं। कार में पीछे मरीज के अटेंडेंट के लिए जंप सीट भी दी गई है, जो ओरिजन हेक्टर रियर सीट की आधी है। कार कंपनी की ओर से इस एंबुलेंस के अलावा देशभर में करीब 100 हेक्टर एसयूवी जरूरी सामान लाने–ले जाने के लिए सरकार को हैंड–ओवर की गईं हैं। साथ ही वेंटिलेटर कंपनी मैक्स के साथ मिलकर एमजी मोटर्स वेंटिलेटर बनाने पर भी काम कर रही है।

छह साल में बैंकों का एनपीए 6 गुना बढ़ा

नई दिल्ली। बैंकिंग सेक्टर बहुत बुरे दौर से गुजर रहा है। इस सेक्टर पर बैड लोन का बहुत बड़ा बोझ है। कोरोना महामारी के कारण बैंकों को इसमें और तेजी का डर लग रहा है। बैंकों के ऊपर एनपीए का कितना बड़ा बोझ है उसका खुलासा एक आरटीआई के जरिए हुआ है। बैंक ऑफ बड़ौदा एनपीए पिछले छह साल में छह गुना से अधिक बढ़कर 73,140 करोड़ रुपए हो गया है। इसी दौरान इंडियन बैंक का एनपीए चार गुना बढ़कर 32,561.26 करोड़ रुपए हो गया है। सूचना का अधिकार (आरटीआई) के तहत दायर एक आवेदन के जवाब में

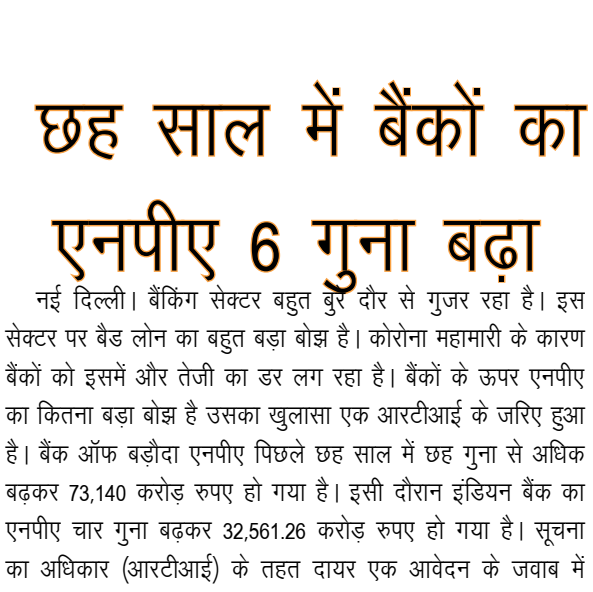

यह जानकारी मिली है। कोटा के आरटीआई कार्यकर्ता सुजीत स्वामी के आवेदन पर मिले जवाब के अनुसार, बैंक ऑफ बड़ौदा का एनपीए मार्च 2014 के अंत में 11,876 करोड़ रुपये से था, जो दिसंबर 2019 के अंत में बढ़कर 73,140 करोड़ रुपये हो गया है। इस दौरान इसके एनपीए खातों की संख्या 2,08,035 से बढ़कर 6,17,306 हो गयी है।

11 में से 10 देशों में लॉकडाउन से स्थिति बेहतर भारत में अब आई तेजी

नई दिल्ली। लंबे लॉकडाउन के बाद भारत में मरीज तेजी से सामने आने लगे हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक, जांच अगर पहले बढ़ गई होती तो ये नए मरीज काफी समय पहले आ गए होते और भारत उन देशों में शामिल होता जहां लॉकडाउन लागू होने के चंद दिन में नए मरीज सामने आने लगे और फिर संख्या कम होने लगी। फिलहाल 11 में से 10 देश लॉकडाउन के बाद नए मरीजों की पहचान करने और उनकी संख्या को रोकने में कामयाब हुए हैं। 11वां देश भारज है जिसे फिलहाल यह कामयाबी अभी नहीं मिली है।–दइेच;लॉकडाउन के 40 दिन पूरे हो चुके हैं और देश तीसरे लॉकडाउन में प्रवेश कर चुका हो। ऐसे में ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी ने भी लॉकडाउन कठोरता सूचकांक में भारत को सबसे निचले पायदान पर रखा है। जिसमें बताया है कि लॉकडाउन के 38 दिन बाद भारत में मरीज बढ़ रहे हैं।

चीन, रूस, बेल्जियम, जर्मनी, यूके, डेनमार्क, आयरलैंड जैसे देशों में लॉकडाउन लागू होने के कुछ रोज बाद ही मरीजों का ग्राफ गड़बड़ाने लगा। वजह थी मरीजों की ट्रेसिंग, जांच और आइसोलेशन। भारत में 21 दिन के पहला लॉकडाउन में जांच की गति काफी मंद थी। दूसरे चरण में आते आते गति बढ़ी और मरीजों का आंकड़ा भी। फ्रांस, स्पेन और इटली में भी लॉकडाउन के दौरान नए मरीजों की संख्या घटी लेकिन भारत में 38 दिन बाद पहली बार 2411, फिर 3 हजार से ज्यादा मरीज सामने आए हैं। हर दिन 40 से 50 हजार सैंपल की जांच हो रही है।

महामारी से लडने में तैयार नहीं था भारत

विशेषज्ञों के अनुसार, भारत महामारी से लडने में तैयार नहीं था। जब 25 मार्च को लॉकडाउन हुआ तब न ज्यादा कोविड अस्पताल तैयार थे और न ही जांच के लिए पर्याप्त लैब थीं। हर दिन महज चार से पांच हजार सैंपल की जांच हो रही थी और आंकड़ा भी वहीं 3 से 4 फीसदी के आसपास सामने आ रहा था, लेकिन दूसरे चरण में भारत ने लैब के साथ जांच बढ़ाईं तो परिणाम सामने है।–दइेच; 27 जनवरी को जब केरल में पहला केस मिला था, इसके बाद 1 मार्च तक देश में सिर्फ तीन ही केस थे। उस वक्त लैब की क्षमता और कोविड अस्पतालों को बढ़ाया जा सकता था लेकिन हमने आंकड़ों के बढने का इंतजार किया और 25 मार्च के बाद राज्यों से लैब के लिए आवेदन मांगे गए।

डब्ल्यूएचओ कई बार कह चुका है कि सिर्फ लॉकडाउन ही पर्याप्त नहीं है। इसे लागू करने के साथ ही जांच, मरीजों की पहचान, आइसोलेशन और उन्हें उपचार के जरिए इस लड़ाई को जीता जा सकता है।

यह भी गौर करने लायक

पहले 10 हजार कोरोना संक्रमित 75 दिन में मिले थे। आठ दिन बाद 22 अप्रैल को आंकड़ा 20 हजार पार हुआ। अब 11 दिन में यह संख्या दोगुना होते हुए 40 हजार पार हो चुकी है। इसमें कोई दोराय नहीं कि संक्रमण दोगुना होने और रिकवरी दर में कुछ हद तक सुध ाार है लेकिन मरीजों के ग्राफ में एक भी बार ठहराव नहीं आया है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

युवती से दुष्कर्म करने वाला आरोपी गिरफ्तार

जयपुर । राजधानी की गलतागेट थाना पुलिस ने शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। जिसके बाद उसे कोर्ट मे पेश मे किया गया जहां उसे कोर्ट ने जेल भेज दिया। थानाधिकारी धर्मवीर सिंह ने बताया कि महावीर पांचाल निवासी अलवर हाल आमागढ बस्ती को गिरफ्तार किया गया है जो काफी समय से फरार चल रहा था। इस संबंध में पीडिता की तरफ से 17 मार्च को थाने में मामला दर्ज करवाया गया था। जिसके बाद से ही आरोपी फरार चल रहा था। जिसे मुखबिर की सूचना पकडा है। जिसे कोर्ट में पेश किया गया जहां उसे आरोपी को जेल भेज दिया गया।

पेटीएम एकाउंट हैक कर खाते से निकाले 1 एक लाख

जयपुर । राजधानी में साइबर ठगी की वारदातें थमने का नाम नहीं ले रही हैं साइबर ठगों द्वारा एक युवक का पेटीएम एकाउंट हैक कर करीब 1 एक लाख 17 हजार रुपये की ऑनलाइन ठगी की वारदात को अंजाम दे दिया। मालपुरा गेट निवासी पीडित बजरंग लाल सारण ने इस संबंध में विशेष अपराध एवं साइबर क्राइम थाने में मामला दर्ज करवाया गया। एसआई इमीचन्द ने बताया कि पीडित पेशे से अध्यापक है,जिसने अमेजन पर खाता चालू किया हुआ है अधिकतर ट्रांजेक्शन वह अमेजन पे एप्प से ही करता है। एक मई को पीडित के अमेजन पे खाते को किसी अज्ञात ने हैक किया और करीब 1 एक लाख 17 हजार रुपये की ट्रांजेक्शन कर डाली। पीडित के पास जब मैसेज आए तो उसे घटना का पता चला। इसके बाद वह थाने पहुंचा और मामला दर्ज करवाया। पुलिस ने पीडित के बयानों के आधार पर मामला दर्ज कर खाते की ट्रांजेक्शन के आधार पर जांच की जा रही है।

चौमूं में सोशल डिस्टेंसिंग बना मजाक

जयपुर । कोरोना वायरस संक्रमण से बचने के लिए सोशल डिस्टेंसिंग को फॉलो करने का आदेश दिया गया है राशन की दुकानों पर अधिकांशत लोगों की भीड़–भाड़ होने के कारण से, जिला अधिकारी ने तमाम राशन डीलरों को घर–घर जाकर राशन वितरण करने के निर्देश दिए थे. लेकिन राजधानी के चौमूं कस्बे में राशन डीलर इन आदेशों की धज्जियां उड़ाते नजर आ रहे हैं।

दरअसल, कई दुकानदार अपनी दुकानों पर ही उपभोक्ताओं को राशन वितरण कर रहे है इस वजह से कई दुकानों पर लोगों की की भीड़ भाड़ देखी जा रही है इससे कोरोना संक्रमण फैलने का खतरा भी मंडरा रहा है। चौमूं कस्बे के वार्ड नंबर 2 में स्थित राशन दुकान पर भी डीलर मनमानी से राशन वितरण कर रहा था. इसकी सूचना पर अग्निशमन केंद्र के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और सोशल डिस्टेंसिंग की पालना के लिए लोगों को अलग–अलग दूरी पर खड़ा किया। हालांकि, राशन डीलर ने कहा कि, वाहन की व्यवस्था नहीं होने के कारण से, वह अपनी दुकान पर ही राशन वितरित कर रहा है।

आर्य समाज घर घर कर रहा कोरोना मुक्ति यज्ञ

जयपुर । कोरोना को हराने में सरकार हर उपाय काम में ले रही है तो आर्य समाज ने भी कोरोना को हराने के लिए घर घर में यज्ञ कर रहा है। आर्य समाज की ओर से कोटा में वैश्विक कल्याण यज्ञ किए जा रहे है।

आर्य समाज के प्रांतीय प्रचार प्रभारी अर्जुन देव चड्ढा ने बताया कि सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान सुरेश आर्य, मंत्री प्रकाश आर्य तथा दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान धर्मपाल आर्य, महामंत्री विनय आर्य, आर्य केंद्रीय सभा दिल्ली राज्य के प्रधान पद्मभूषण महाशय धर्मपाल और महामंत्री सतीश चड्डा के आह्वान पर आर्य समाज ने कोटा में सैकड़ों आर्य परिवारों की मौजूदगी में यह यज्ञ किया गया। इस दौरान महामारी से संकट से निपटने के लिए देशवासियो के स्वास्थ्य, सुख एवं समृद्धि की विशेष प्रार्थना की गई चड्ढा ने बताया कि कोटा के अलावा पूरी दुनिया के 100 से अधिक देशों में 10,000 से अधिक आर्य समाज की शिक्षण संस्थानों ,गुरुकुलों, अनाथालयों, महाविद्यालयों सहित अन्य जगहों पर आर्य समाज के पुरोहित, सेवक और कार्यकर्ताओं ने वैदिक मंत्रोचार के साथ इस यज्ञ को पूरा किया. इस दौरान सोशल डिस्टेंसिंग के नियम का भी पालन किया गया।

शराब के ठेकों पर उमड़ी भीड़, सोशल डिस्टेन्सिंग भूले

जयपुर । लॉकडाउन का प्रतिबंध कुछ शर्तो के साथ हटने के बाद आज बाजारों में चहल पहल बढ़ी पर सबसे अधिक भीड़ शराब की दुकानों पर देखी गई। भीड इतनी उतावली हो रही थी कि इस दौरान सोशल डिस्टेन्सिंग का कोई ध्यान नहीं रखा गया नतीजा पुलिस को सख्ती दिखानी पडी।

जयपुर में सुबह 10 बजे से पहले ही शराब के ठेकों के बाहर लंबी कतारें लगनी शुरू हो गई सैंकडों लोगों की भीड़ के कारण कई जगह रोड तक जमा होने स्थिति पैदा हो गई। शराब ठेके के आगे धारा–144 और सोशल डिस्टेंसिंग कहीं नजर ही नहीं आई। शराब ठेकों के अंदर कर्मचारी नियमों की पालना से दूर बिना मास्क नजर आ रहे थे वहीं ठेकों के बाहर ग्राहक सोशल डिस्टेंसिंग की धज्जियां उड़ा रहे थे। जयपुर में हसनपुरा में एनबीसी फैक्ट्री के सामने शराब की दुकान पर व्यवस्था बिगडने पर सदर थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर सोशल डिस्टेंसिंग की पालना करवाते हुए।

शराब की बिक्री करवाई। सुबह शराब के ठेके खुलते ही हालात बिगडने लग गए इस पर आबकारी विभाग की टीमें दौड़ी. जयपुर शहर में दोपहर होते–होते शराब की दुकानों को बंद कराना शुरू कर दिया गया। विभाग के अधिकारियों का कहना है कि दुकानों को लेकर नए दिशा निर्देश जारी किए जाएंगे.

वहीं प्रत्येक दुकानों पर सुरक्षाकर्मियों की तैनातगी की जाएगी. उसके बाद ही बिक्री की अनुमति दी जाएगी।

यूपी के 935 श्रमिक घर हुए रवाना

जयपुर । उत्तरप्रदेश से राजस्थान में काम धंधा कर रहे लॉकडाउन में फंसे जयपुर जिले में 935 श्रमिकों को आज प्रशासन ने बसों द्वारा उनके घरों के लिए रवाना किया। उक्त सभी श्रमिक सांगानेर, चाकसू, जयपुर, चौमूं, आमेर और दूदू उपखंड के विभिन्न शेल्टर होम में पिछले कई दिनों से रह रहे थे।

अतिरिक्त जिला कलक्टर चतुर्थ अशोक कुमार ने कहा कि, ये श्रमिक सांगानेर, चाकसू के जसोदा देवी शेल्टर होम, बीलवा, दहमीकलां, बगरू, सीनियर सैकेंडरी विद्यालय हरमाड़ा, कमला देवी बुधिया सीनियर सैकेंडरी स्कूल, अखिल भारतीय खंडेलवाल वैष्य महासभा, शास्त्रीनगर, आनंदम जनोपयोगी भवन शास्त्रीनगर, सीनियर सैकेंडरी विद्यालय पानीपेच, आदर्श सीनियर सैकेंडरी विद्यालय आदर्श नगर, गीता भवन, सीनियर सैकेंडरी विद्यालय गांधी नगर ओल्ड, बालिका सीनियर सैकेंडरी स्कूल, मालवीय नगर, राजकीय माध्यमिक विद्यालय जोडला में रह रहे थे। उन्होंने कहा कि, उत्तर प्रदेश सरकार से बात करके, बसों के माध्यम से इन श्रमिकों को यूपी के एटा, इटावा, बांदा, बदायूं, कानपुर, कुसुम्बी, कन्नौज, मैनपुरी, मिर्जापुर, चित्रकूट, हरदौई, हाथरस, पीलीभीत, रायबरेली, सीतापुर, चंदौली, फरूखाबाद, फतेहपुर, आगरा, अलीगढ़, ललितपुर समेत करीब 40 से भी अधिक जिलों के लिए रवाना किया गया। कोरोना वायरस के चलते केंद्र सरकार द्वारा लगाए गए लॉकडाउन में, यह सभी श्रमिक राजस्थान के विभिन्न जिलों में फंस गए थे इनके गृह राज्यों में वापसी की मांग लंबे समय से चल रही थी. इसके बाद, बीते दिनों गृह मंत्रालय ने एक गाइडलाइन जारी करके, राज्यों को यह निर्देश दिया कि, वह अपने और दूसरे राज्यों के प्रवासी मजदूरों को उसके प्रदेश भेज सकते है।

लॉकडाउन 3: जिले में तीसरे चरण का टोटल लॉकडाउन के कलेक्टर ने आदेश किया जारी

भोपाल (ईएमएस)। भोपाल जिले में कोरोना पॉ. जिटिव व्यक्तियों की संख्या में वृद्धि होने एवं कोरोना संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए कलेक्टर तरुण पिथोड़े ने धारा 144 के अन्तर्गत आदेश जारी किया है। यह आदेश दिनांक 17 मई 2020 तक लागू रहेंगे । इन आदेशों में भोपाल जिले में टोटल लॉक डाउन लागू किया गया है। टोटल लॉकडाउन के दौरान अतिआवश्यक वस्तुओं , सेवाओं की आपूर्ति और आपातकालीन परिस्थितियों के लिए कुछ शिथिलता प्रदान की गई है।

–तीसरे चरण के लॉकडाउन के दौरान ये रहेगा पूर्ण रूप से प्रतिबंधित –:

' सार्वजनिक स्थलों पर थूकने ,शराब ,पान , गुटखा ,तंबाकू सेवन ।

' 65 वर्ष की आयु से अधिक वृद्धजनों ,गर्भवती महिलाओं ,10 वर्ष से कम आयु के बच्चों एवं समस्त ऐसे व्यक्तियों जिनको अन्य बीमारियां हैं को अत्यावश्यक सेवाएं एवं स्वास्थ्य संबंधित कारणों के अलावा अपने घर से बाहर निकलने पर।

' कंटेनमेंट जोन में बिना अनुमति के ओपीडी एवं क्लीनिक संचालन।

' सभी स्कूल कॉलेज शिक्षण प्रशिक्षण कोचिंग संस्थान ।

' समस्त सिनेमा हॉल ,शॉपिंग मॉल, जिम ,स्पोर्ट्स कंपलेक्स स्विमिंग पूल ,पार्क , होटल, स्पा ,सलून।

' समस्त धार्मिक स्थल ।

' समस्त सामाजिक ,राजनैतिक ,खेल, शैक्षणिक, धार्मिक समारोह ।

' समस्त लोक परिवहन सेवाएं जिसमें निजी बसें टैक्सी ऑटो ई रिक्शा शामिल है और अंतर जिला बस ,रेल सेवा आदि।

जिले में पूर्व में घोषित टोटल लॉक डाउन जारी रहेगा किसी भी व्यक्ति को अपने घर से बाहर निकलने की अनुमति नहीं होगी । जिले की सभी सीमाएं सील की गई है। जिला की सीमा में बाहरी लोगों का और जिले के निवासरत व्यक्तियों का बाहर आवागमन प्रतिबंधित किया गया है ।

–कार्य एवं सेवाएं जो उक्त प्रतिबंध निम्नलिखित परिस्थितियों में शिथिल रहेंगे :–

' समस्त शासकीय, अर्ध शासकीय कार्यालयों में अधिकतम 33: स्टाफ की उपस्थिति के साथ संचालन की अनुमति लेकिन कंटेनमेंट जोन के अंतर्गत आने वाले स्टाफ को कार्यालय में जाने की अनुमति नहीं।

' कंटेनमेंट जोन के बाहर निर्माण कार्य जिसमें कार्यस्थल पर ही श्रमिक उपलब्ध हो एवं जिन्हें कार्यस्थल से बाहर से ना आना पड़े।

फॉरेस्ट गार्ड की शिकारी ने गोली मारकर हत्या की

भोपाल । ग्वालियर जिले के सनकुआ उत्तर बीट में शिकारियों ने एक फॉरेस्ट गार्ड की गोली मारकर हत्या कर दी।लकड़ी तस्करों के होने की सूचना मिलने पर गार्ड अपने दो चौकीदारों के साथ जंगल में सर्चिंग के लिए गया था, लेकिन उसके पास कोई हथियार नहीं था। शिकारियों ने उसे गोली मार दी। वन अधिकारियों ने मामले की जांच के आदेश दे दिए हैं।

ग्वालियर के सनकुआ उत्तर बीट के जंगल में सुबह अवैध लकड़ी कटाई की खबर वन विभाग को मिली थी। खबर मिलते ही कराई वन चौकी पर तैनात फॉरेस्ट गार्ड दीपू राणा दो चौकीदारों को साथ लेकर सर्चिंग पर निकल पड़ा। उन्हें सनकुआ के जंगल में कुछ लोग लकड़ी काटते नजर आए। फॉरेस्ट गार्ड और चौकीदारों को देखकर लकड़ी काटने वाले भाग निकले। इसके बाद फॉरेस्ट गार्ड दीपू राणा और चौकीदार वापस वन चौकी की तरफ लौट रहे थे, उसी दौरान जंगल में शिकारियों से उनका सामना हो गया।

शिकारी के हाथ में राइफल थी

वन विभाग की टीम ने जैसे ही पूछताछ शुरू की शिकारी ने वन अमले पर फायर कर दिया। राइफल से निकली गोली सीधी फॉरेस्ट गार्ड दीपू राणा को लगी। वो वहीं बेहोश होकर गिर पड़े। वारदात को अंजाम देने के बाद शिकारी भाग निकला। वहीं घायल पड़े दीपू को दोनों चौकीदार लेकर वन चौकी और फिर वहां से ग्वालियर के जयारोग्य अस्पताल पहुंचे।

लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। डॉक्टरों ने फॉरेस्ट गार्ड दीपू राणा को मृत घोषित कर दिया

दीपू के 2 मासूम बच्चे हैं

दीपू राणा 4 साल पहले ही फॉरेस्ट में भर्ती हुए थे। उनके दो छोटे बच्चे हैं। वन कर्मचारी संघ ने ड्यूटी के दौरान जान देने वाले दीपू को शहीद का

दर्जा देने की मांग की है। साथ ही वन कर्मचारी संघ ने कहा है कि तस्कर और शिकारियों से लडने के लिए वन अमले को आधुनिक हथियारों से लैस किया जाए।

जांच के आदेश

वन विभाग ने गार्ड दीपू के परिवार को 50 हज़ार रुपए की सहायता दी है। साथ इस बात की जांच भी की जा रही है कि आखिर वन अमला बिना हथियार के जंगल मे क्यों और किन परिस्थितियों में निकल था।

कोविड–19 टेस्ट के चलते फिरते बूथ की हुई शुरूआत

जयपुर । जयपुर के सांगानेरी गेट स्थित महिला चिकित्सालय को वैश्विक महामारी कोरोना के संक्रमितों का ईलाज करने के लिए चिन्हित किया गया है अस्पताल प्रशासन ने कोविड–19 की जांच बिना खतरे के करने के उद्देश्य से चलते फिरते बूथ सेम्पल की आज शुरूआत की है।

वर्तमान परिस्तिथियो में मरीजों की सेवा करने के साथ साथ चिकित्सक व स्वस्थ्य कर्मियों को भी अत्यधिक सावधानी बरतना आवश्यक हो गया है इन्ही परिस्थितियों को ध्यान मे रखते हुवे पर्पल ग्रुप की ओर से एक सेम्पलिंग बूथ का निर्माण करवाया गया जिससे की स्वास्थ्य कर्मी को किसी भी मरीज़ का सैम्पल लेते समय संक्रमण का खतरा लगभग शून्य के बराबर हो। चिकित्सालय को इस तरह की सेम्पलिंग बूथ की बहुत आवश्यकता थी ऐसे में एनआरई निवासी नवीन अग्रवाल ने पहल की एवं डा. जितेन्द्र मक्कड व पर्पल ग्रुप के सीएमडी तनेजा से बातचीत करके एक बूथ निशुल्क इस चिकित्सालय को उपलब्ध करवायी। चिकित्सालय के रेडियोलोजी विभाग के प्रभारी प्रदीप जैन ने जिनके अथक प्रयास से बूथ को चिकित्सालय मे स्थापित किया गया जिससे की मरीज़ों का सुरक्षित तरीके से सैम्पल लिया जा सके। इस मौके पर चिकित्सालय की अधीक्षिका डा. आशा वर्मा जी, सीनियर प्रोफेसर डा. मोहन मीणा, डा.प्रेम लता मित्तल,प्रयोगशाला प्रभारी सहायक आचार्य डा. योगेश शर्मा जी एवं डा. महेश जी,डा. अलका मीणा व प्रभारी रेडियोलोजी प्रदीप जैन, नर्सिग स्टाफ से नरेन्द्र मीणा, रोहिताश उपस्तिथ रहे।

लॉकडाउन में झारखंड में वापस के लिए एसओपी जारी

रांची(। लॉकडाउन अवधि में दूसरे राज्यों में फंसे राज्यवासियों की वापसी को लेकर मुख्य सचिव सुखदेव सिंह ने एसओपी (मानक संचालन प्रक्रिया) जारी किया है।

राज्य सरकार द्वारा ऑनलाइन झारखंड यात्रा पंजीकरण पत्र जारी किया गया है , जिसपर प्रवासी झारखंड वासी खुद को पंजीकृत कर रहें हैं। सभी जिलों के उपायुक्त पंजीकृत लोगों को सरकारी सहायता उपलब्ध कराएंगे। झारखंड के नजदीकी बिहार, वेस्ट बंगाल, उड़ीसा, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, जैसे राज्यों से लोगों की वापसी बस से करें वहीं दूर के राज्यों के लिए स्पेशल ट्रेन की व्यवस्था करायी जाएगी।

राज्य स्तरीय नोडल पदाधिकारी करेंगे रेल से वापसी हेतु संबंधित राज्य से समन्वय, यात्रियों की सूची एवं उनके वापस आने के पश्चात स्क्रीनिंग और बसों से जिले में वापसी की सारी व्यवस्था की जाएगी। जबकि जिला स्तरीय नोडल पदाधिकारी करेंगे बसों से लोगों की वापसी के लिए संबंधित राज्यों से समन्वय, यात्रियों की सूची एवं जिले में वापसी के बाद उनकी स्क्रीनिंग एवं होम क्वारंटाइन अथवा सरकारी क्वा. रंटाइन में भेजने की सारी व्यवस्था करेंगे। वहीं प्रत्येक जिला वापस आने वाले सभी लोगों की पूरी सूची रखने का निर्देश दिया गया है। साथ ही कंटेनमेंट जोन में जिन लोगों का घर है उन्हें वहां वापस जाने की अनुमति नहीं होगी। प्रत्येक यात्रा के पहले एवं यात्रा के बाद सभी वाहनों को पूर्णतः सेनिटाइज करना आवश्यक है। वहीं बसों से दिन के समय में ही यात्रा करना यथासंभव सुनिश्चित करेंगे। प्रवासियों के होम क्वारंटाइन की स्थिति में पंचायत के रिप्रेजेंटेटिव एवं मुखिया इन लोगों द्वारा सोशल डिस्टेंसिंग के सभी मनको को पूरा कराना सुनिश्चित कराएं। निजी वाहनों से अन्य राज्य में वापस जाने हेतु संबंधित जिले के उपयुक्त द्वारा पास निर्गत किया जाएगा। साथ ही पास निर्गत करने से पूर्व सम्बन्धित व्यक्ति ने अपना क्वॉरेंटाइन पीरियड पूरा किया है और कोविड–19 हेतु कोई रिपोर्ट प्रतीक्षा में न हो , यहं सुनिश्चित किया जाएगा और कंटेनमेंट जोन में ऐसे पास अमान्य होंगे । वहीं झारखंड के बाहर फंसे वैसे लोग जो अपने वाहनों के द्वारा वापस आना चाहते हैं उन्हें इंटर स्टेट मूवमेंट के लिए एनओसी उपायुक्त जारी करेंगे। झारखंड से दूसरे राज्यों में वापस जाने अथवा दूसरे राज्यों से झारखंड वापस आने हेतु संबंधित राज्यों से समन्वय स्थापित करना तथा दोनों राज्यों की सहमति अनिवार्य है।

कोटा से स्पेशल ट्रेन धनबाद पहुंची।

धनबाद। कोटा में फंसे छात्र–छात्राओं को लेकर एक स्पेशल ट्रेन धनबाद पहुंची। इस ट्रेन में धनबाद के अलापा गिरिडीह, बोकारो, देवघर समेत कई जिलों के छात्र–छात्रा कोटा से वापस पहुंचे। इस मौके पर स्टेशन में डीसी, एसएसपी समेत जिला प्रशासन के कई अधिकारी मौजूद थे। वापस लौटे छात्र–छात्राओं का स्क्रीनिंग कर उन्हें उनके घरों के लिए बस से रवाना किया गया। इस मौके पर विधायक राज सिन्हा भी मौजूद थे। वापस लौटने वाले छात्र–छात्राएं 14 दिन तक होम क्वारेंटाइन में रहेंगे।

आर्मी की निकली टुकड़ियां,किया सम्मान

नौगांव। वैश्विक महामारी के बीच अपनी जान की बाजी लगाने वाले डॉक्टर, पुलिस और सफाईकर्मियों का हौसला बढ़ाने नौगांव आर्मी कैंट 405–हल्की वायुरक्षा रेजीमेंट एपी के कर्नल तरूण संसरिया के निर्देशानुसार आर्मी की अलग–अलग टुकड़ियां निकलीं। कर्नल ने नौगांव सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में पदस्थ डॉक्टर व स्वास्थ्य विभाग की टीम का सम्मान किया। इसके अलावा पुलिस विभाग, राजस्व विभाग और नगरपालिका के अधिकारी, कर्मचारियों एवं सफाईकर्मियों को सम्मान किया गया। कैप्टन एचएस बरार, सूबेदार एमके यादव, आरएचएम नागेन्द्र पाटिल ने थाना प्रभारी बीएन शर्मा का भी सम्मान किया और सुरक्षा को लेकर पुलिस विभाग के लिये मास्क, सेनेटाइजर भेंट किए।

अब तक जिले से 1813 श्रमिकों को विशेष बसों के द्वारा भेजा गया उनके गृह जिले

नरसिंहपुर । प्रदेश के विभिन्न जिलों के नरसिंहपुर जिले में मौजूद मजदूरों को विशेष बस की व्यवस्था कर उनके निवास स्थल जिलों में भेजने की कार्यवाही प्रारंभ हो गई है। शनिवार 2 मई तक जिले में 1813 श्रमिकों को विशेष बसों के माध्यम से उनके गृह जिले में भेजा गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार को छिंदवाड़ा 323, शहडोल 262, सिवनी 536, मंडला 199, डिंडौरी 76, रीवा 49, जबलपुर 47, सतना 60, पन्ना 35, कटनी 93, सीधी 4, उमरिया 61, सागर 25 व रतलाम 43 श्रमिकों को उनके गंतव्य तक पहुंचाया गया। इस प्रकार कुल 828 श्रमिकों जिला प्रशासन द्वारा भोजन एवं पानी की समुचित व्यवस्था कर विशेष बसों के माध्यम से सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए उनके गृह जिला भेजा गया।

लॉकडाउन 3: जिले में तीसरे चरण का टोटल लॉकडाउन के कलेक्टर ने आदेश किया जारी

' घर पर शादी/ विवाह समारोह अधिकतम 10 व्यक्तियों की उपस्थिति में सोशल डिस्टेंसिंग का लॉक. डाउन 3: जिले में तीसरे चरण का टोटल लॉकडाउन के कलेक्टर ने आदेश किया जारी पालन करते हुए।

' अंतिम संस्कार में अधिकतम 10 व्यक्तियों की उपस्थिति में सोशल डिस्टेंसिंग के नियमों का पालन करते हुए।

' अति आवश्यक परिस्थितियों में उपयोग होने वाले प्रत्येक ट्रक में दो चालक एवं एक हेल्पर।

प्रत्येक निजी फोर व्हीलर गाड़ी में चालक एवं अधिकतम दो व्यक्ति एवं प्रत्येक टू व्हीलर में केवल चालक की अनुमति ।

' होम डिलीवरी वाली स्टेशनरी दुकान , कूलर, फ्रिज ,एसी, पंखा की दुकानें खोलने की अनुमति।

' ऑप्टिशियन दुकान जो डॉक्टर के परामर्श से चश्मे का ग्लास फ्रेम आदि बदलने के लिए खोलने की अनुमति।

' शहरी क्षेत्र में कंटेनमेंट जोन को छोड़कर समस्त स्टैंडअलोन दुकान रहवासी इलाके के अंदर स्थित दुकानें खोलने की अनुमति।

' ग्रामीण क्षेत्र में कंटेनमेंट जोन को छोड़कर समस्त दुकाने खोलने की अनुमति।

' कंटेनमेंट एरिया के बाहर वाले इलाके में सक्षम अनुमति प्राप्त आटा चक्की खोलने की अनुमति।

इसके साथ ही अत्यावश्यक सेवा वाले विभाग जिसमें राजस्व ,स्वास्थ्य, पुलिस, विद्युत, दूरसंचार ,नगर पालिका, पंचायत, नगर सैनिक ,आपदा प्रबंधन, पेयजल, प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, टेलीकॉम ,इंटरनेट, पोस्टल सेवाएं कार्यालयों के लेखा शाखा भुगतान, वेतनमान आदि हेतु बैंक एटीएम वाहन आदि कार्यालय इससे मुक्त रहेंगे।

नगर निगम द्वारा खाना वितरण प्रणाली ,सक्षम अधिकारी द्वारा अधिकृत किराना खाना की होम डिलीवरी , सांची पार्लर में किराना खाद्य पदार्थ रखने एवं विक्रय नगर निगम द्वारा सब्जी फल किराना वितरण प्रणाली टोकन प्रणाली के आधार पर सीमित लोगों को प्रतिदिन राशन वितरण करने हेतु पीडीएस दुकानों का संचालन, रेडी टू ईट वस्तुओं की होम डिलीवरी, बेकरी/ बैक्ड वस्तुओं की पार्सल या होम डिलीवरी सेवाएं हेतु दुकाने खुली रहने की अनुमति , दीनदयाल अंत्योदय कम्युनिटी किचन, होम डिलीवरी /होम टिफिन वाले होटल ,पेट्रोल पंप, एलपीजी गैस कंपनी के डिपो से गैस सिलेंडरों की आपूर्ति, प्रातः 6:30 बजे से 9:30 बजे तक घर–घर जाकर दूध बांटने वाले दूध विक्रेता एवं न्यूज़पेपर हॉकर साथ ही कोई अत्यावश्यक सेवाएं ,वस्तुएं एवं संस्थाएं जो शासन द्वारा या इस कार्यालय के आदेश द्वारा विशेष रूप से सूचित किया गया हो वह भी इस आदेश से मुक्त रहेंगे।

'यह रहेगा अनिवार्य'

' समस्त सार्वजनिक स्थलों पर फेस मास्क /फेस कवर पहनना।

' सोशल डिस्टेंसिंग के नियमो का पालन।

' इमरजैंसी ड्यूटी वाले शासकीय कर्मचारी का अपना आईं कार्ड साथ रखना।

' व्यक्तिगत मेडिकल इमरजेंसी मृत्यु और अति आवश्यक सेवाएं की आपूर्ति के लिए जिले से बाहर या बाहर के जिले से प्रवेश करने के लिए ई पास प्रणाली के अंतर्गत जारी पास।

' सभी स्थितियों में सोशल डिस्पेंसिंग हेतु सभी सार्वजनिक स्थलों पर कम से कम 1– 1 मीटर की दूरी में गोला बनाकर भीड़ एकत्रित ना होने देना एवं कोविड 19 रोकथाम हेतु अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करना संबंधित दुकान /संस्था के प्रभारी की संपूर्ण जिम्मेदारी होगी।

कलेक्टर ने समस्त एसडीएम ,कार्यपालिक मजिस्ट्रेट ,थाना प्रभारी ,वार्ड वार गठित एडमिनिस्ट्रेटिव मोबाइल यूनिट /रैपिड रिस्पांस टीम को अपने स्तर से दल गठित करने के निर्देश दिए गए है। यह दल सार्वजनिक दुकानों एवं अन्य संस्थानों में सोशल डिस्टेंसिंग के नियमो का पालन सुनिश्चित करेगा। आदेश का उल्लंघन करने वाले व्यक्ति के विरुद्ध भारतीय दंड संहिता की धारा 188 के अंतर्गत कार्यवाही की जाएगी।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

विराट, युवराज ने हंदवाड़ा के शहीदों को किया नमन

नई दिल्ली । कश्मीर में शहीद हुए पांच सुरक्षाबलों के जवानों को खिलाड़ियों ने भी नमन किया है। खिलाड़ियों ने कहा कि देश उनका ये बलिदान हमेशा याद रखेगा। इसके साथ ही जवानों के परिवारों के प्रति अपनी संवेदनाएं प्रकट की हैं। आक्रामक बल्लेबाज युवराज सिंह ने कहा 'एक देश के तौर पर हम अपने बहादुर सैनिकों और सुरक्षाकर्मियों का बलिदान कभी नहीं भूलेंगे। मैं भारतीय सेना और पुलिस के अपने हीरो को सलाम करता हूं जिन्होंने हंदवाड़ा इनकाउंटर में अपने प्राण गंवा दिए। शहीदों के परिवार के लिए मैं दिल से संवेदना व्यक्त करता हूं।' वहीं टीम इंडिया के कप्तान विराट कोहली ने लिखा, 'जो लोग किसी भी हालात में अपने कर्तव्य को नहीं भूलते हैं, वही सच्चे हीरो होते हैं। उनका बलिदान कभी भूला नहीं जाना चाहिए। मैं हंदवाड़ा में शहीद हुए सेना के जवानों और पुलिसकर्मी को नमन करते हुए उनके परिजन के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं। शहीदों के परिवार को शांति मिले। जय हिंद।'

इटली में फुटबॉल प्रशंसकों के लिए खुशखबरी, सिरी ए लीग को अभ्यास की अनुमति

नई दिल्ली । इटली सरकार ने सिरी ए लीग के फुटबॉलरों को अभ्यास की इजाजत दे दी है। सरकार के इस फैसले से फुटबॉल प्रशंसकों ने राहत की सांस ली है। इटली ने सिरी ए फुटबॉल क्लबों के फुटबालरों को व्यक्तिगत रुप से अभ्यास सत्र में भाग लेने की अनुमति दी है। इससे देश में फुटबॉल मुकाबलों की वापसी की प्रक्रिया फिर शुरु होने की ओर बढ़ रही है।

प्रशंसकों को अब उम्मीद हो गयी है कि शीर्ष घरेलू फुटबॉल लीग के 2019–2020 सत्र में आगे खेल हो सकता है। वहीं इससे पहले कोरोना महामारी को देखते हुए नौ मार्च को सिरी ए के सभी मैच स्थगित कर दिए गए थे। जर्मनी के गृह और खेल मंत्री हार्स्ट सीहोफर ने कहा है कि वह कोरोना वायरस महामारी के बावजूद इस महीने देश में फुटबॉल सत्र को फिर से शुरू करने का समर्थन करते हैं। सीहोफर ने कहा, 'मुझे जर्मन लीग का प्रस्तावित कार्यक्रम प्रशंसनीय लगा। मैं मई में इसको फिर से शुरुआत का समर्थन करता।' जर्मन फुटबॉल लीग (डीएफएल) ने मई के मध्य से ही दर्शकों के बिना लीग शुरू करने की योजना बनायी है। अगर ऐसा होता है तो वह मैचों को बहाल करने वाली पहली प्रमुख यूरोपीय चैंपियनशिप बन जाएगी। साथ ही कहा कि टीमों और खिलाड़ियों को विभिन्न सुरक्षा मापदंडों का पालन करना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि अगर किसी टीम या उसके प्रबंधन में कोरोना संक्रमण पाया जाता है तो उस टीम को और जिस टीम के खिलाफ उसने अंतिम मैच खेला था उस टीम को दो सप्ताह के लिये आईसोलेशन (पृथकवास) में रहना होगा।

गेंद चमकाने के लिए लार के इस्तेमाल पर रोक लगाएगा ऑस्ट्रेलिया

सिडनी । कोरोना महामारी के बाद जब ऑस्ट्रेलिया में क्रिकेट फिर से शुरु होगा तो गेंद को चमकाने के लिए लार या पसीने के इस्तेमाल की इजाजत नहीं होगी। संक्रमण रोकने के लिए ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने जो खाका तैयार किया उसमें दिये गये सुझाव में यह भी शामिल है। ऑस्ट्रेलियाई खेल संस्थान (एआईएस) ने चिकित्सा विशेषज्ञों, खेल निकायों के अलाव संघीय और राज्य सरकारों के परामर्श से ने दिशानिर्देश जारी किये है , जिनमें गेंद को चमकाने के लिए पसीना और लार के उपयोग पर प्रतिबंध की बात कही गई है। इस दिशा–निर्देश में खेलों की तीन चरण (ए, बी और सी) में वापसी का जिक्र है। मौजूदा समय में खेलों पर जो रोक है वह 'ए' स्तर की है जिसमें व्यक्तिगत अभ्यास के अलावा हर चीज पर प्रतिबंध है। एक सप्ताह से कुछ अधिक समय के बाद प्रतिबधों को बी स्तर का कर दिया जाएगा जहां सीमित संख्या में अभ्यास की इजाजत होगी। इस दौरान गेंद पर लार या पसीने के इस्तेमाल पर रोक जारी रहेगी। तीसरी और आखिरी चरण (सी) में पूर्ण अभ्यास की अनुमति होगी पर इसमें भी गेंद पर लार या पसीने के इस्तेमाल पर रोक जारी रहेगी। दिशा–निर्देश में कोविड–19 बीमारी के किसी भी लक्षण वाले खिलाड़ी को अभ्यास से दूर रहने की सलाह दी गयी है। वहीं माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में आईसीसी भी संक्रमण के खतरे को कम करने के लिए गेंद को चमकाने के लिए लार का उपयोग प्रतिबंधित कर सकता है। आईसीसी गेंद को चमकाने के लिए अंपायरों की देखरेख में कृत्रिम पदार्थों के उपयोग की अनुमति दे सकता है हालांकि कई पूर्व क्रिकेटरों का मानना है कि ऐसा करना सही नहीं होगा।

धोनी की तरह कप्तानी करते हैं रोहित : रायडू

मुम्बई । बल्लेबाज अंबाती रायडू ने कहा है कि मुंबई इंडियंस के कप्तान रोहित शर्मा की कप्तानी का तरीका महेंद्र सिंह धोनी जैसा ही है। रायडू ने यह बात चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के एक लाइव सत्र के दौरान कहीं। रायडू भी सीएसके की ओर से ही खेलते हैं। रायडू ने कहा, ''धोनी हम सबके कप्तान है, इसलिए रोहित धोनी से कप्तानी सीखकर ही कप्तान बने हैं। रोहित ने उनसे बहुत कुछ सीखा है। दोनों में कोई बहुत फर्क नहीं है, मुझे लगता है वह सही दिशा में जा रहे हैं।'' साथ ही कहा कि रोहित को अभी धोनी के स्तर तक पहुंचने के लिए अभी बहुत लंबा सफर तय करना है, पर मुझे भरोसा है कि वह इसमें सफल रहेंगे। इससे पहले पूर्व क्रिकेटर गौतम गंभीर ने भी कहा था कि रोहित आज जिस स्तर तक पहुंचे हैं उसमें धोनी की भी भूमिका रही है। आप चयन समिति और टीम प्रबंधन के बारे में बात कर सकते हैं, पर अगर आपको अपने कप्तान से समर्थन नहीं मिलता तो यह सब बेकार है। सब कुछ कप्तान के हाथों में है।

रायडू ने सीएसके अपने साथी बल्लेबाज सुरेश रैना की भी जमकर तारीफ करते हुए कहा कि रैना बल्लेबाज टीम इंडिया में वापसी जरूर करेंगे। रायडू ने कहा, '' रैना में अभी बहुत क्रिकेट बचा है, मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि वह टीम इंडिया में वापसी जरूर करेंगे।''

वहीं टीम इंडिया के पूर्व मुख्य चयनकर्ता एमएसके प्रसाद ने कहा था कि कप्तानी के दौरान रोहित का अंदाज धोनी जैसा ही नजर आता है। रोहित भी धोनी की तरह इस बार का ध्यान रखते हैं कि खिलाड़ियों की सोच क्या है।

रोहित आईपीएल में अबतक के सबसे सफल कप्तान हैं। उनकी कप्तानी में मुंबई इंडियंस ने चार आईपीएल खिताब जीते हैं। वहीं धोनी की कप्तानी में सीएसके ने तीन बार आईपीएल ट्रॉफी पर कब्जा किया है।

लॉकडाउन के बीच ही ऑस्ट्रेलिया पहुंची न्यूजीलैंड रग्बी टीम, प्रशंसक उत्साहित

टैमवर्थ । कोरोना वायरस महामारी के कारण जारी लॉकडाउन के बीच ही पहली बार किसी खेल प्रतियोगित में भाग लेने कोई टीम दूसरे देश पहुंची है। न्यूजीलैंड की टीम नेशनल रग्बी लीग में खेलने के लिए ऑस्ट्रेलिया पहुंची है। इससे का. रोना महामारी को पीछे छोड़कर देश एक बार फिर खेल मुकाबले शुरु करने के लिए आगे आया है। ऑस्ट्रेलिया में वैसे तो लॉकडाउन के कारण यात्रा संबंधी प्रतिबंध लगा है पर नेशनल रग्बी लीग ने न्यूजीलैंड टीम के लिए ऑस्ट्रेलियाई सरकार से विशेष अनुमति ले ली थी। टीम के ऑस्ट्रेलिया में उतरते ही प्रशंसक खासे उत्साहित नजर आये हालांकि इन मैचों में दर्शकों को पहुंचने की इजाजत नहीं होगी।

न्यूजीलैंड वॉरियर्स की टीम को लेकर एक विशेष विमान सुबह पांच बजकर 30 मिनट पर छोटे से कस्बे टैमवर्थ में उतरा। माना जा रहा है कि संक्रमण के डर से कम भीड़ भाड़ वाले इलाके में टीम को उतारा गया है। यह कस्बा सिडनी के करीब है। न्यूजीलैंड वॉरियर्स को इस कस्बे में 14 दिन अलग रहकर गुजारने होंगे। यह प्रतियोगिता 28 मई से शुरू होगी। ऑस्ट्रेलिया में अभी अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर प्रतिबंध है पर इसके बाद भी आस्ट्रेलियाई सरकार ने शनिवार को 36 खिलाड़ियों और स्टाफ को आने की मंजूरी दी। हाल के दोनो में इन दोनो ही देशों में कोरोना संक्रमण के मामलों में कमी आई है।

क्रिकेट फिर शुरु होने पर बेहद व्यस्त रहेगा कार्यक्रम : लाबुशेन

सिडनी । ऑस्ट्रेलिया के युवा बल्लेबाज मार्नुस लाबुशेन का मानना है कि कोरोना महामारी से उबरने के बाद जब एक बार फिर क्रिकेट शुरू होगा तो खेल कार्यक्रम काफी व्यस्त रहेगा क्योंकि अभी सभी टूर्नामेंट स्थगित या रद्द हो गये हैं। वापसी के बाद ये सभी एक के बाद एक आयोजित हो सकते हैं जबकि समय कम रहेगा। लाबुशेन ने कहा, '' लॉकडाउन के दौरान जो क्रिकेट नहीं हो रहा उसकी भरपाई के लिए काफी दौरे होंगे।'' उन्होंने कहा, '' ऐसे में कम समय में ही बहुत सारे मैच खेलने होंगे। हमें बचे हुए मैचों को भी पूरा करना होगा। इस प्रकार कुल मिलाकर देखा जाये तो कार्यक्रम काफी व्यस्त होगा।'' इस महामारी के कारण ऑस्ट्रेलिया का न्यूजीलैंड दौरा पहले मैच के बाद ही रद्द हो गया। इसके अलावा टी20 विश्व कप के आयोजन पर भी संशय छा गया है। इसके अलावा आईपीएल भी स्थगित हो गया है। आईपीएल में भी काफी ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी खेलते हैं।

विश्व कप क विश्व कप के बाद नहीं खेलना चाहते थे धोनी : प्रसाद

मुम्बई । पूर्व राष्ट्रीय चयनकर्ता एमएसके प्रसाद ने कहा है कि विश्व कप के बाद अनुभवी खिलाड़ी महेन्द्र सिंह धोनी स्वयं टीम इंडिया से बाहर रहना चाहते थे, इसलिए उन्हें टीम में शामिल नहीं किया गया था। उन्होंने कहा कि हमने धोनी से इस विषय में बात की थी और इसके बाद ही युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को अवसर दिया गया था। प्रसाद ने कहा, 'हमने विश्व कप के बाद धोनी से बात की थी। तब उन्होंने कहा था कि उन्हें कुछ समय के लिए अभी ब्रेक चाहिए। इसके बाद ही हमने ऋषभ को मौका दिया।' प्रसाद का कार्यकाल हाल ही में समाप्त हुआ है। प्रसाद ने कहा, 'अगर आईपीएल समय पर शुरू होता तो हम सभी धोनी को खेलते हुए देख पाते।' विश्व कप 2019 के बाद से ही धोनी के संन्यास को लेकर लगातार अटकलें लगाई जाती रही हैं हालांकि धोनी ने अभी तक इस मामले में अपनी ओर से कुछ नहीं कहा है। यह भी कहा जा रहा था कि आईपीएल में अपने प्रदर्शन के जरिये धोनी टी20 विश्व कप के लिए टीम इंडिया में वापसी करने के बाद खेल को अलविदा कह देते पर कोरोना महामारी के कारण आईपीएल स्थगित हो गया है, वहीं टी20 विश्वकप का आयोजन भी खतरे में पड़ता नजर आ रहा है। इससे धोनी के लिए एक प्रकार से टीम इंडिया में वापसी की संभावनाएं तकरीबन समाप्त हो गयी है

गेंदबाजों के सही इस्तेमाल से शीर्ष पर पहुंची भारतीय टीम : मुश्ताक

लाहौर । पाकिस्तान के पूर्व स्पिनर मुश्ताक अहमद ने कहा है कि भ. ारतीय टीम अपने गेंदबाजों के सही इस्तेमाल से ही विश्व क्रिकेट में शीर्ष पर पहुंच गयी है और इसमें प्रमुख योगदान पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी का है। धोनी अपने गेंदबाजों का सही इस्तेमाल करने में महारथी रहे हैं और अब यही काम वर्तमान कप्तान विराट कोहली कर रहे हैं। अहमद के अनुसार अभी भारत के युजवेंद्र चहल, कुलदीप यादव, ऑस्ट्रेलिया के एडम जम्पा और पाकिस्तान के शादाब खान सर्वश्रेष्ठ स्पिनर हैं। बताया.

दुनिया भर में कोचिंग दे चुके मुश्ताक के अनुसार चहल इस समय विश्व क्रिकेट के शीर्ष लेग स्पिनरों में से है पर क्रीज का बेहतर इस्तेमाल करके वह और प्रभावी हो सकते है। उन्होंने कहा कि सीमित ओवरों के प्रारूप में बीच के ओवरों में विकेट लेने की क्षमता से चहल और कुलदीप यादव भारत के लिए मैच बदलले वाले गेंदबाज बन गए हैं।

मुश्ताक ने कहा कि चहल बहुत अच्छे गेंदबाज हैं, लेकिन क्रीज का बेहतर इस्तेमाल कर सकते हैं। वह कुछ मौकों पर क्रीज से बाहर जा सकते हैं। पिच को समझने की चतुराई होनी चाहिए। सपाट पिच पर सीधे स्टम्प पर गेंद डाली जा सकती है। उन्होंने कहा कि गेंद ग्रिप ले रही है तो क्रीज के बाहर भी जा सकते हैं ताकि बल्लेबाजों को परेशानी हो। ऐसे में आपकी गुगली भी उतना टर्न नहीं लेगी, जितना बल्लेबाज सोचते होंगे और आपको विकेट मिल जाएगी। अहमद ने कहा कि चहल और यादव को पूर्व कप्तान धोनी से मिलने वाली सलाह का काफी फायदा मिला है.

उन्होंने कहा कि आपको बल्लेबाज से एक कदम आगे रहना होगा। बल्लेबाज की क्षमता के अनुरूप फील्ड पोजिशन होनी चाहिए। मैं हमेशा कहता हूं कि आक्रमण गेंद से नहीं, फील्डर से करो। यह समझ में आने पर हमेशा सफलता मिलेगी।

राष्ट्रीय शिविर में अकेले ही अभ्यास करेंगी मैरीकॉम

नई दिल्ली । अनुभवी महिला मुक्केबाज एम सी मैरीकॉम ने कहा है कि कोरोना संक्रमण के खतरे को देखते हुए वह राष्ट्रीय शिविर के दौरान किसी अन्य मुक्केबाज के साथ अभ्यास नहीं करेंगी। मैरीकॉम ने कहा कि जब हाथ से छूने से भी संक्रमित होने का खतरा बना हुआ है तब वह किसी अन्य के साथ अभ्यास को सही नहीं मानतीं।

छह बार की इस विश्व विजेता ने कहा कि अभी वह किसी भी जोड़ीदार के साथ अभ्यास के पक्ष में नहीं है और तकरीबन छह माह तक ऐसे ही चलने की संभावनाएं हैं। मेरा मानना है कि ट्रेनिंग अकेले करनी होगी। इससे पहले खेल मंत्री किरण रिजिजू ने भारतीय मुक्केबाजी महासंघ के अध्यक्ष अजय सिंह और मैरीकॉम सहित अन्य मुक्केबाजों के साथ ऑनलाइन बातचीत के बाद रविवार को कहा कि जोड़ीदार बनाने की प्रक्रिया फिर से शुरू होने से पहले सभी जरूरी सावधानियां रखनी पड़ेंगी। उन्होंने कहा, 'हमें तकनीकी अधिकारियों, हाई परफोरमेंस निदेशकों और स्वास्थ्यकर्मियों से चर्चा करनी होगी कि वे हमारे खिलाड़ियों के लिये जोड़ीदार के साथ अभ्यास शुरू करने से पहले सभी सुरक्षा उपायों का आंकलन करें।'

उन्होंने कहा, 'हमें अच्छी तरह मेडिकल जांच करानी होगी, वहीं अगर जरूरत हुई तो जोड़ीदारों को पृथकवास में भी रखना होगा, तभी ट्रेनिंग फिर शुरू की जा सकती है।' वहीं भारतीय मुक्केबाजी के हाई परफोरमेंस निदेशक सांटियागो निएवा ने कहा कि जब भी शिविर शुरू होंगे, तब स्पष्ट दिशानिर्देशों के बिना जोड़ीदारों के साथ अभ्यास सत्र शुरू नहीं होंगे। उन्होंने कहा, 'जब तक दिशानिर्देश नहीं आयेंगे, तब तक कोई भी जोड़ी अभ्यास नहीं करेगी।'

इससे पहले रविवार को रिजिजू ने कहा था कि ओलंपिक टिकट हासिल करने वाले के ही अभ्यास सत्र शुरु किया जा रहा है वहीं अन्य खिलाड़ियों के लिए यह सत्र बाद में आयोजित किया जाएगा।

लॉकडाउन में भी डोपिंग से दूर रहें : वाडा

नई दिल्ली । विश्व डोपिंग रोधी संस्था (वाडा) ने सभी खिलाड़ियों को आगाह किया है कि कोरोना वायरस के कारण हुए लॉकडाउन के दौरान भी उन्हें प्रतिबंधित पदार्थों से दूर रहना चाहिये। वाडा ने साथ ही कहा कि अगर कोई खिलाड़ी इस अवसर को डोपिंग के मौके के तौर पर देखता है तो ऐसा करना नुकसानदेह साबित होगा। कोरोना महामारी के कारण दुनिया भर में लगभग सभी अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताएं रुकी हुई हैं। अधिकतर पेशेवर खेल लीगों को या तो स्थगित या रद्द किया गया है। वहीं दुनिया के कुछ हिस्सों में डोप परीक्षण काफी कम हो गए हैं जबकि कुछ स्थानों पर तो रुक गये हैं पर वाडा के एक अधिकारी जेम्स फिट्जगेराल्ड ने कहा है कि खिलाड़ी इसे प्रतिबंधित पदार्थ लेने के अवसर के तौर पर नहीं देखें। उन्होंने कहा, 'अगर कोई खिलाड़ी या टीम प्रतिबंधित पदार्थ का सेवन करती है तो ये उन्हें याद रखना चाहिये कि यह समय भी परीक्षण के दायरे में हैं और उन्हें सामान्य तरीके से रहने के स्थान संबंधी जानकारी मुहैया कराते रहना होगा जिसके कि वे प्रतियोगिता के नमूने देने के लिए उपलब्ध रहें।'लॉकडाउन के समय अधिकारियों की नजरों से बचकर डोपिंग करने वाले खिलाड़ियों की संख्या में इजाफे की आशंका के बारे में फिट्जगेराल्ड ने कहा कि खिलाड़ियों को इस समय शक्तिवर्धक दवाओं का अधिक फायदा नहीं मिलने वाला। उन्होंने कहा, 'आम तौर पर प्रतिबंधित पदार्थ सही तरह के गहन प्रशिक्षण के साथ मिलकर काम करते हैं। कई एथलीट इस समय उचित प्रशिक्षण सुविधाओं का उपयोग नहीं कर सकते हैं और इसलिए उन पदार्थों को लेने से उन्हें बहुत मदद नहीं मिलेगी।'

महिला फुटबॉलरों को झटका, समान वेतन का दावा खारिज

न्यूयॉर्क । अमेरिकी महिला फुटबॉलरों को झटका लगा है। यहां की एक अदालत ने टीम के पुरुष टीमों के बराबर वेतन की मांग के महिला फुटबॉलरों के दावे को खारिज कर दिया है। कैलिफोर्निया की एक जिला अदालत ने महिला टीम के पुरुषों के बराबर वेतन तथा सुविधाएं मिलने के दावे को खारिज करते हुए इस मामले में अमेरिका फुटबॉल महासंघ को सही करार दिया है। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि महिलाओं की राष्ट्रीय टीम को पुरुषों की टीम की तुलना में औसत प्रति मैच के आधार पर अधिक भुगतान किया गया है। अदालत ने इसके साथ ही महिला खिलाड़ियों द्वारा पुरुष खिलाड़ियों की तुलना में समान सुविधा नहीं मिलने के दावे को भी खारिज कर दिया। मामले के ट्रायल की तारीख 16 जून तय की गई है। वहीं अदालत में खिलाड़ियों की प्रवक्ता मौली लेविनसन ने कहा कि वह इस फैसले को चुनौती देने के बारे में विचार कर रही हैं। उन्होंने कहा, 'हम इस फैसले से हैरान औ- निराश हैं हालांकि हम समान वेतन को लेकर अपनी मांग से पीछे नहीं हटेंगी।

भारत दौरा रद्द हुआ तो क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया को मिलेगा अरबों रुपये का कर्ज

सिडनी । कोरोना वायरस के कारण पहले ही कई सीरीज, टूर्नामेंट स्थगित हो गये हैं और अब भारतीय टीम के ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भी संकट के बादल छा गये हैं। पहले से ही वित्तीय संकट में फंसे क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने इसको देखते हुए योजना बनानी शुरु कर दी है। इस साल ऑस्ट्रेलिया टी20 विश्व कप और भारतीय टीम की मेजबानी करेगा। वहीं अगर कोरोना के कारण यह भी रद्द हो जाता है तो बोर्ड गंभीर संकट में आ जाएगा। ऑस्ट्रेलिया बोर्ड आने वाली परेशानी का सामना करने के लिए पहले से ही तैयार रहना चाहता है इसलिए उसने अरबों रुपये का कर्ज पहले ही मंजूर करा लिया है।

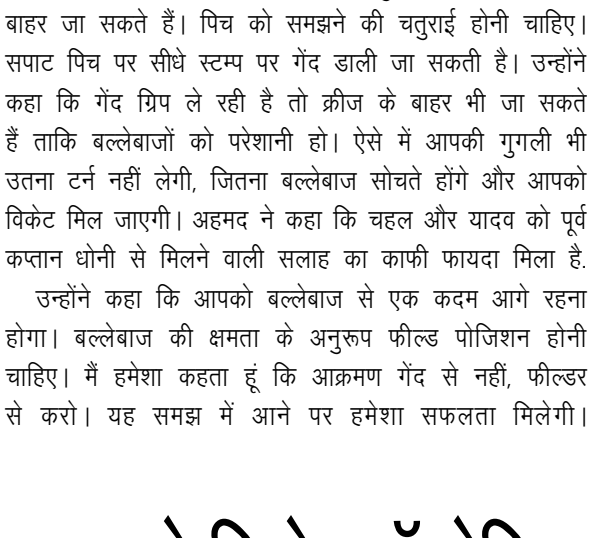

भारत को इस साल के अंत में दिसंबर और जनवरी में चार टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा करना है और भारत का दौरा न होने की स्थिति में ऑस्ट्रेलियाई बोर्ड को बड़ा नुकसान होगा। ऐसे में उसने इस नुकसान से निपटने के लिए तैयारी कर ली है। साल के अंत में होने वाला भारत दौरा अगर रद्द होता है तो ऑस्ट्रेलिया को 3 अरब 78 करोड़ से भी अधिक का कर्ज मिलेगा। सीए ने भारत का दौरा रद्द होने की स्थिति में होने वाले नुकसान की भरपाई के लिए सुरक्षा कवच के तौर पर 3 अरब 78 करोड़ का कर्जा मंजूर करवा लिया है।

सभी हितधारकों को जानकारी दे दी गई है कि बोर्ड ने कॉमनवेल्थ बैंक के साथ कर्ज के लिए करार कर लिया है। बोर्ड की संचालन समिति ने आर्थिक तंगी को देखते हुए ही पिछले महीने बड़ी तादाद में कर्मचारियों को हटाने का फैसला किया था। इसके साथ ही बचे हुए कर्मचारियों के वेतन में 20 फीसदी की कटौती की थी।

टीम इंडिया के गेंदबाजी कोच बनना चाहते हैं शोएब अख्तर

लाहौर । पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर चाहते हैं कि वह टीम इंडिया के गेंदबाजी कोच बने। उनका सपना भ. ारतीय में भी कई तेज गेंदबाज बनाना है।

साथ ही कहा कि अभी भारत के पास जसप्रीत बुमराह, भुवनेश्वर कुमार सहित कई बेहतरीन तेज गेंदबाज हैं। शोएब अख्तर ने आगे कहा, ' भविष्य में मौका मिला तो मैं टीम इंडिया का गेंदबाजी कोच बनना चाहूंगा ताकि यहां भी अपने जैसे गेंदबाज बना सकूं।'

अख्तर ने ये भी कहा कि अगर उन्हें आईपीएल में गेंदबाजी कोच बनने का मौका मिला तो वो का. लकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से जुड़ना चाहेंगे।

अख्तर ने टीम इंडिया के ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या की भी जमकर तारीफ की और कहा कि उनके अंदर सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडर बनने की क्षकता है। साथ ही कहा कि दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह और युवराज सिंह से उनकी अच्छी दोस्ती है।

अख्तर ने इससे पहले भी कहा था कि कोरोना मह. ामारी को देखते हुए भारत और पाकिस्तान के बीच एक सीरीज होने चाहिये जिससे मिलने वाली राशि पीड़ितों की सहायता के लिए देनी चाहिये पर पूर्व भारतीय क्रिकेटरों ने उनके इस बयान को खारिज कर दिया था।

यह भी कहा गया था कि जब आईपीएल तक स्थ. गित हो गया है, ऐसे में दोनो देशों के बीच सीरीज की बात करना बेकार बयानबाजी से ज्यादा कुछ नहीं है।

विराट, युवराज ने हंदवाड़ा के शहीदों को किया नमन

नई दिल्ली । कश्मीर में शहीद हुए पांच सुरक्षाबलों के जवानों को खिलाड़ियों ने भी नमन किया है। खिलाड़ियों ने कहा कि देश उनका ये बलिदान हमेशा याद रखेगा। इसके साथ ही जवानों के परिवारों के प्रति अपनी संवेदनाएं प्रकट की हैं। आक्रामक बल्लेबाज युवराज सिंह ने कहा 'एक देश के तौर पर हम अपने बहादुर सैनिकों और सुरक्षाकर्मियों का बलिदान कभी नहीं भूलेंगे। मैं भारतीय सेना और पुलिस के अपने हीरो को सलाम करता हूं जिन्होंने हंदवाड़ा इनकाउंटर में अपने प्राण गंवा दिए। शहीदों के परिवार के लिए मैं दिल से संवेदना व्यक्त करता हूं।' वहीं टीम इंडिया के कप्तान विराट कोहली ने लिखा, 'जो लोग किसी भी हालात में अपने कर्तव्य को नहीं भूलते हैं, वही सच्चे हीरो होते हैं। उनका बलिदान कभी भूला नहीं जाना चाहिए। मैं हंदवाड़ा में शहीद हुए सेना के जवानों और पुलिसकर्मी को नमन करते हुए उनके परिजन के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं। शहीदों के परिवार को शांति मिले। जय हिंद।'

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

प्रसंगतः विश्वास

एक संत अपने शिष्यों के साथ नाव से नदी पार कर रहे थे। अचानक तेज हवाएं बहने लगीं और नदी में पानी उछलने लगा। संत की नाव के साथ जो नावें चल रही थीं, वे बुरी तरह थरथराने लगीं। कुछ ही क्षणों में लहरों का पानी नाव के भीतर आने लगा। शिष्य बुरी तरह डरने लगे। नाव के एक कोने में एक शिष्य बेफिक्र सोया था। उसके साथियों ने उसे झकझोर कर जगाया। उसने पूछा, 'क्या बात है, मुझे किस कारण से जगाया है?' उसके साथियों ने तूफान के बारे में उसे बताया। उस शिष्य ने बहुत शांति से चारों ओर नजरें घुमाकर देखा और कहा, 'तूफान आते ही हैं और मनुष्य का भी अंत होता ही है। इसमें ऐसी कौन सी आश्चर्यजनक बात है।' सभी साथी उसका उत्तर सुनकर सन्न रह गए। भयभीत साथियों के उत्तर की प्रतीक्षा किए बिना उस शिष्य ने आंखें बंद कर लीं। उसके साथी समझ रहे थे कि उसने संकट को भली-भांति पहचाना नहीं है। इसी कारण वह स्थिति की गंभीरता को नहीं समझ पा रहा है। उधर अपनी मस्ती में खोए हुए उस शिष्य ने आंखें बंद करके दोनों हाथ ऊपर उठाकर भगवान से प्रार्थना प्रारंभ की। अन्य साथियों ने समझा कि यह अपना अंतिम समय निकट जानकर भगवान से अपनी भूलों के लिए क्षमा मांग रहा है लेकिन शिष्य ने आंखें बंद किए हुए ही कहा, 'ऐ तूफान, तुम तुरंत शांत हो जाओ ताकि हम सुरक्षित उस पार पहुंच जाएं।' तूफान तुरंत शांत हो गया। नाव का हिलना बंद हो गया। शिष्यों ने भी चैन की सांस ली। उसके साथियों ने उस शिष्य से पूछा, 'आखिर तुमने ऐसा क्या किया कि इस भयंकर तूफान को शांत कर दिया।' वह सहजता से बोला 'मित्रो, विश्वास की शक्ति असीम है। तूफान विश्वास से बड़ा नहीं हो सकता। अपने विश्वास पर सदा अडिग रहना चाहिए।'

लॉफिंग ज़ोन

जगमोहन, ''तुम्हें पता है कि किसी बेअक्ल को रातभर परेशान रखना हो तो क्या करना चाहिए?''

रवि, ''क्या करना चाहिए?''

जगमोहन, ''वह मैं तुम्हें कल सुबह बताऊंगा।''

☺ ☺ ☺

व्यक्ति (मंत्री से) साहब आपका भाषण तो बहुत ताजगी भरा था। मंत्री, सच!

व्यक्ति, आपके भाषण के बाद जब मेरी नींद खुली तो सारी थकावट दूर हो चुकी थी।

☺ ☺ ☺

एक बच्चे की मां ने अस्पताल में एक लड़के को जन्म दिया। जब वह अपने छोटे भाई को देखने अस्पताल गया तो वहां उसने अपने भाई को गोद में ले लिया। उसकी गोदी में नवजात शिशु ने शू-शू कर दिया। बच्चा पास से गुजरती हुई नर्स से बोला, ''यह बच्चा लीक करता है जरा दूसरा बदल दो।''

☺ ☺ ☺

''मेरा गधा पक्का राजनीतिज्ञ है।''

''वह कैसे?''

''उसे चाहे कितना भला-बुरा कह दो, जितने चाहे डंडे मार दो, फिर भी अपनी धुन में काम करता रहता है।''

☺ ☺ ☺

अध्यापक (छात्र से), ''बीमार होना का वाक्य में प्रयोग करो।''

छात्र, ''भगवान करे आप जल्द ही बीमार हो जाए।''

अपने शहर या मोहल्ले की घटना, परेशानी या न्यूज़ यहाँ शेयर करें

9879141480

या

info@krantisamay.com

आपने आसपास की घटनाक्रम, समाचार,प्रेसनोट देने के लिये हमारे ईमेल *krantisamay@gmail.com* या WhastApp **9879141480** पर भेज सकते हैं

ब्यूरो, रिपोर्टर

अपने क्षेत्र की

खबरें के लिये संपर्क करें.

दैनिक पंचांग

05 मई 2020 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

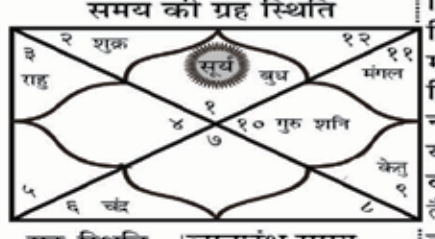

ग्रह	स्थिति
सूर्य	मेष में
चंद्र	कन्या में
मंगल	कुंभ में
बुध	मेष में
गुरु	मकर में
शुक्र	वृष में
शनि	मकर में
राहु	मिथुन में
केतु	धनु में

राहुकाल 3.00 से 4.30 बजे तक

लग्नारंभ समय	
वृष	6.00 बजे से
मिथुन	7.58 बजे से
कर्क	10.12 बजे से
सिंह	12.28 बजे से
कन्या	14.40 बजे से
तुला	16.50 बजे से
वृश्चिक	19.05 ब.से
धनु	21.21 बजे से
मकर	23.26 बजे से
कुंभ	1.13 बजे से
मीन	2.46 बजे से
मेष	4.16 बजे से

मंगलवार 2020 वर्ष का 126 वां दिन
दिशाशूल उत्तर ऋतु ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2077 शक संवत् 1942
मास वैशाख पक्ष शुक्ल
तिथि त्रयोदशी 23.22 बजे को समाप्त।
नक्षत्र हस्त 16.39 बजे को समाप्त।
योग वज्र 00.42 बजे रात्र को समाप्त।
करण कौलव 13.09 बजे तदनन्तर तैतिल 23.22 बजे को समाप्त।

चन्द्रायु 11.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 16° 19'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1870509
जूलियन दिन 2458974.5
कलियुग संवत् 5121
कल्पारंभ संवत् 1972949121
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885121
वीरनिर्वाण संवत् 2546
हिजरी सन् 1441
महीना रमजान
तारीख 11
विशेष प्रदोष व्रत।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ– शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■Jagrutidaur.com, Bangalore

राजकाज

रेलवे का फैसला गलत

लॉकडाउन के बीच गृह मंत्रालय ने भारतीय रेलवे को निर्देश दिए हैं कि वे प्रवासी मजदूरों, श्रद्धालुओं, छात्रों को उनके घर पहुंचाने के लिए विशेष ट्रेनों का संचालन करे। रेलवे बोर्ड ने यात्रियों से वसूले जाने वाले सामान्य स्लीपर श्रेणी के अलावा अतिरिक्त शुल्क की घोषणा की है। अब प्रति यात्री 50 रुपये का अतिरिक्त शुल्क वसूला जाएगा। यह फैसला सही नहीं है। मजदूर हों या छात्र किसी के पास पैसा नहीं है। ऐसे में वह 50 क्या 5 रुपए भी नहीं दे सकता।

उद्योग जगत उदास

देश के अलग–अलग जगह फंसे मजदूरों की घर वापसी के लिए केंद्र सरकार द्वारा श्रमिक स्पेशल ट्रेन चलाने के फैसले से उद्योगों की नींद उड़ गई है। कारोबारियों का मानना है कि एक बार मजदूर घर लौट गए तो उनका वापस आना मुश्किल होगा। आएंगे भी तो कब पता नहीं। उद्योग जगत का कहना है कि यदि मजदूर गांव लौट गए तो फिर वे फैक्ट्री कैसे चला पाएंगे। इसका भान सरकारों को भी नहीं था। जब हुआ तो वे भी मजदूरों से रुकने की मिन्नतें करने में लगे हैं।

पाक की करतूत

कोरोना संकट से प्रभावी तरीके से लड़ रहे भारत का ध्यान पाकिस्तान हमलों से दूसरी तरफ खींचने की कोशिश में लगा है ताकि लड़ाई को कमजोर किया जा सके। वह न सिर्फ भ.ारत की कोरोना के खिलाफ लड़ाई को कमजोर करना चाहता है बल्कि लॉकडाउन की स्थिति का फायदा उठाकर सेना को भी नुकसान पहुंचाने की फिराक में है। तभी तो कोरोना संकट के वक्त भी पाक प्रायोजित आतंकवाद रुकने का नाम नहीं ले रहा है।

वॉरेन बफेट की चेतावनी

अमेरिकी कारोबारी वॉरेन बफेट ने कोरोना वायरस महामारी के बीच अमेरिकी अर्थव्यवस्था के बारे में सकारात्मक रुझान देते हुए निवेशकों को आगाह किया है। उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस के कारण परेशानी झेल रही वैश्विक अर्थव्यवस्था के देखते हुए जो निवेशक यह सोचते हैं कि अमेरिकी इकोनॉमी की हालत बदतर होगी ओर वे इसी के हिसाब से अपने कारोबार की रणनीति बनाएंगे, तो वे आगे गलत साबित होंगे। उन्होंने कहा कि इस तरह की रणनीति के लिए कर्ज लेकर निवेश करने वालों को झटके ही सहने पड़ेंगे। अब यह बफेट की चेतावनी है या अमेरिका को बचाने की कोशिश, बाद में पता चलेगा।

आज का इतिहास 5 मई

1525 जर्मनी के दक्षिणी हिस्से में किसानों का विद्रोह दबाया गया.
1570 तुर्की और वेनिस के बीच लड़ाई भड़की.
1818 कार्ल मार्क्स का जन्म हुआ.
1821 फ्रांस के नेपोलियन बोनापार्ट का निधन सेंट हेलनादीप में हुआ.
1824 ब्रिटिश फौजों का रंगून पर कब्जा.
1888 प्रसिद्ध क्रांतिकारी त्रैलोक्य नाथ चक्रवर्ती का जन्म हुआ.
1916 ज्ञानी जैलसिंह का जन्म हुआ.
1936 इतावली सैनिकों ने आदिस अबाबा पर कब्जा किया.
1963 अल्जीरियाई विदेशमंत्री मुहम्मद खेमिस्ती का निधन हुआ, तीन बंदूकधारियों ने उन पर हमला किया.
1964 इजराइल ने पाइप लाइन से नेगेव रेगिस्तान तक पानी पहुचांने में सफलता हासिल की.
1976 इटली में रेड ब्रिगेड के आतंकवादियों ने पूर्व प्रधानमंत्री एल्डो मोरो को मौत की सजा देने की घोषणा की.
1989 एस्टोनिया में 22 कम्युनिस्ट नेताओं को पार्टी से हटा दिया.
1990 जर्मनी के एकीकरण के बारे में अमेरिका, सोवियत संघ, ब्रिटेन और फ्रांस के अलावा दोनों जर्मनी नेताओं के बीच बातचीत हुई.
1994 सिक्किम में संचामन लिंबू नये नेता निर्वाचित.
2001 नई दिल्ली में कनाट प्लेस में बम रखने वाला कश्मीरी आतंकवादी गिरफ्तार.
2002 अहमदाबाद में हिंसा भड़कने से सात लोग मरे.

मुंबई शेयर बाजार, सोना चांदी, रूपये और वायदा का भाव

मुंबई । सोमवार को वायदा बाजार (एमसीएक्स) में कमोडिटी, शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी का स्तर रूपये का भाव और एमसीएक्स के साथ साथ वाणिज्यिक राजधानी मुंबई सराफा बाजार में सोने चांदी के हाजिर भाव।

– सेंसेक्स 2002.27 अंक लुढ़ककर 31,715.35 पर बंद (माइनस)
– निफ्टी 566.40 अंक गिरकर 9,293.50 पर बंद (माइनस)

:रूपया

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 64 पैसे कमजोर होकर 75.09 पर बंद

	कल	आज	
यूएस डॉलर	75.09	75.73	(प्लस)
यूरो	81.68	82.76	(माइनस)
ब्रिटिश पोंड	93.96	93.94	(प्लस)

दिल्ली सराफा बाजार : हाजिर सोने के भाव

	कल	आज
सोना	(सराफा बंद रहा)	
चांदी	(सराफा बंद रहा)	

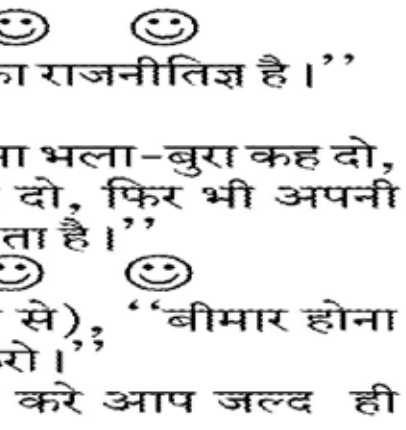

वायदा बाजार :	कल	आज	
सोना– (05 जून 20)	45,634.00	45,750.00	(प्लस)
चांदी– (05 मई 20)	42,310.00	41,350.00	(माइनस)
नैचुरल गैस–(28 मई 20)	141.90	147.70	(प्लस)
कॉपर (31 मई 20)	407.20	396.60	(माइनस)
एल्यूमिनियम (29 मई 20)	132.30	130.75	(माइनस)
कच्चा तेल–(18 मई 20) (प्रति बैरल)	1,341.00	1,437.00	(प्लस)

भारतपे ने ध्वनि आधारित दो एप्लिकेशन की पेशकश की, फोन छुए बिना होगा भुगतान

नई दिल्ली । कारोबारी भुगतान और उधारी नेटवर्क मुहैया कराने वाली कंपनी भारतपे ने सोमवार को ध्वनि आधारित दो एप्लिकेशन की पेशकश की, जो कोविड–19 के बीच खाताधारकों को अपने फोन

को छुए बिना लेनदेन करने में सक्षम बनाएगा। कंपनी ने बताया कि 'पैसा बोलेगा' एप के जरिए लेनदेन की ध्वनि सूचना मिलेगी, जिससे दुकानदार को भारतपे क्यूआर के जरिए मिलने वाले सभी भुगतान की पुष्टि तुरंत सुनाई देगी और उन्हें फोन छूना नहीं पड़ेगा। 'भारतपे बैलेंस' के जरिए दुकानदार को कुल उपलब्ध धनराशि का पता चलेगा। त्वरित प्रतिक्रिया (क्यूआर) के जरिए वे जमा खाते, ऋण खाते और दैनिक संग्रह के बारे में जानकारी पा सकते हैं। भारतपे ने कहा कि कंपनी ने पाया है कि लॉकडाउन के दौरान प्रति दुकानदार डिजिटल भुगतान में बढ़ोतरी हुई है क्योंकि दुकानदार और ग्राहक दोनों ही संपर्क रहित क्यूआर भुगतान को अधिक तरजीह दे रहे हैं। इस दौरान इस विधि से भुगतान का औसत आकार 300 रुपये से बढ़ कर 500 रुपये हो गया है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत में पुलिस और प्रवासी मजदूर भिड़े, घर भेजने की मांग

सूरत । कोरोना महामारी को रोकने के लिए बढ़ाए गए लॉकडाउन से प्रवासी मजदूरों का सब्र जवाब दे रहा है। सोमवार को सूरत में प्रवासी श्रमिकों की पुलिस से झड़प हो गई। देखते–देखते माहौल तनावपूर्ण हो गया और पुलिस को मजदूरों पर लाठियां भी बरसानी पड़ीं। बताया गया कि गुजरात के सूरत में लॉकडाउन में फंसे प्रवासी मजदूर अपने–अपने घरों को वापस जाने की मांग कर रहे थे। मजदूर अपनी घरवापसी के लिए विशेष ट्रेनें चलाने की मांग कर रहे थे। इसी दौरान मजदूरों की पुलिस से झड़प हो गई। जानकारी के अनुसार, आक्रोशित प्रवासी मजदूरों ने पुलिस पर पत्थर बरसाने शुरू कर दिए। इसके बाद पुलिस ने लाठियां भांजकर उपद्रवियों को खदेड़ना शुरू कर दिया। घटना में किसी के घायल होने की खबर नहीं है। विवाद की वजह का भी अभी पता नहीं चल पाया है।

राजकोट और सूरत में गृह राज्य जाने को अड़े प्रवासी मजदूर और पुलिस के घर्षण

अहमदाबाद। गुजरात समेत देशभर में लॉकड. उन की तीसरी दफा अवधि बढ़ाए जाने से प्रवासी मजदूर उग्र होने लगे हैं और गृह राज्य लौटने की जिद पर अड़ गए हैंद्य इसी मुद्दे को लेकर सूरत और राजकोट में प्रवासी श्रमिक पुलिस पथराव के साथ ही आगजनी और तोड़फोड़ की।

जानकारी के मुताबिक गृह राज्य लौटने के मुद्दे पर सूरत में करीब 2000 प्रवासी श्रमिक सड़कों पर उतर आए और पुलिस पर पथराव करने लगेद्य सूरत के पलसाणा क्षेत्र के वरेली गांव के निकट हुई इस घटना में पुलिस पर पथराव के साथ एसिड भी फैंके जाने की खबर हैद्य आगजनी और तोड़फोड़ कर रहे श्रमिकों को पुलिस ने समझाने का प्रयास कियाद्य लेकिन मामला शांत नहीं होते देख पुलिस ने लाठी चार्ज और आंसू गैस की मदद लीद्य पुलिस का मानना है कि सुनियोजित साजिश के तहत घटना को अंजाम दिया गयाद्य वर्ना इतनी बड़ी मात्रा में ईंटा–पत्थर कहां से आतेद्य दूसरी ओर सूरत में उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड के लोगों ने उन्हें गांव भेजे जाने पर सरकार की ओर से कोई फैसला नहीं किए जाने पर विरोध प्रदर्शन कियाद्य सूरत के पांडेसरा पुलिस कॉलोनी क्षेत्र में रहने वाले करीब 70 से 80 प्रवासी श्रमिकों ने मुंडन करवाकर विरोध जताया और स्थानीय नेताओं पर गंभीर आरोप लगाए।

राजकोट के गोंडल में भी गृह राज्य जाने की जिद पर अडे प्रवासी श्रमिकों ने काफी हंगामा किया। घटना की खबर लगते ही पुलिस के आला अफसर अपने दल बल समेत घटनास्थल पर पहुंच गए और प्रवासी श्रमिकों को समझाने का प्रयास करने लगेद्य लेकिन श्रमिक हैं कि मानने को तैयार नहीं हैंद्य श्रमिकों ने चेतावनी दी है कि यदि हमें जल्द से जल्द अपने घर नहीं भेजा गया तो पैदल निकल पड़ेंगेद्य काफी समझाने के बाद फिलहाल प्रवासी श्रमिक शांत हो गए हैंद्य बता दें कि बीते दिन ही राजकोट जिला कलेक्टर ने ऐलान किया था कि ट्रेन के जरिए प्रवासी मजदूरों को उनके गृह राज्य भेजने की व्यवस्था की जा रही है लोग शांति बनाए रखें और प्रशासन की मदद करेंद्य प्रवासी श्रमिकों की सूची तैयार की जा रही है और जल्द ही उन्हें ट्रेन से रवाना किया जाएगा।

एमएस यूनिवर्सिटी के पूर्व प्रोफेसर की अमेरिका में कोरोना से मौत

वडोदरा । शहर के एमएस यूनिवर्सिटी के पूर्व प्रोफेसर की अमेरिका में कोरोना से मौत हो गई। मृतक प्रोफेसर के बेटा और बहु भी कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई हैद्य दुनियाभर में कहर बरपा रहे कोरोना से अमेरिका में अब तक 65 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी हैद्य जिसमें एनआरआई और एनआरजी भी शामिल हैं। वडोदरा के मूल निवासी और शहर की प्रतिष्ठित एमएस यूनिवर्सिटी के पूर्व प्रोफेसर शरद पटेल की कोरोना से मौत हो गईद्य 80 वर्षीय शरद पटेल अमेरिका के न्यूजर्सी में बेटे और बहु के साथ रहते थेद्य जहां कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया थाद्य 30 दिनों तक वेन्टीलेटर पर रहने के बाद आखिर शरद पटेल ने दम तोड़ दिया। मृतक शरद पटेल के पुत्र और पुत्रवधु की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। गौरतलब गुजरात में भी कोरोना ने कहर बरपा रखा है और रविवार को 374 नए केसों के साथ राज्य में कोरोना मामलों की संख्या 5428 पर पहुंच गई है। राज्य में कोरोना से अब तक 290 मरीजों की मौत हो चुकी है और 1042 लोग ठीक होकर अपने घर लौट चुके हैंद्य वडोदरा में अब तक 350 कोरोना के केस दर्ज हुए हैं। जिसमें 25 लोगों की मौत हो चुकी है और 146 लोगों के स्वस्थ होने के बाद अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया है।

लॉकडाउन 03 का सख्ती से अमल, ग्रीन और ऑरेंज जोन में मिली छूट

अहमदाबाद । गुजरात समेत देशभर में लॉक. डाउन का तीसरा चरण आज से शुरू हो गया है और तीसरे चरण में ग्रीन और ऑरेंज जोन में कुछ छूट मिली हैद्य लेकिन रेड जोन में शामिल अहमदाबाद, वडोदरा, सूरत, गांधीनगर और भावनगर में कोई नई छूट नहीं मिलेगीद्य राजकोट ऑरेंज जोन में होने के बावजूद यहां भी कोई छूट नहीं दी गई। राज्य के किसी भी जोन में पान–मसाले की दुकान अगले दो सप्ताह खोलने की मंजूरी नहीं है। शाम 7 बजे से सुबह 7 बजे के दौरान कोई बाहर निकला तो कानूनी कार्रवाई होगी।

गुजरात में तीसरे चरण के लॉकडाउन का प्रारंभ हो गया है। तीसरा चरण 17 मई तक चलेगा और इस दौरान ग्रीन जोन में ज्यादा तो ऑरेंज जोन में आंशिक छूट दी गई है। क्योंकि राज्य में कोरोना के खिलाफ लड़ाई में खास सफलता नहीं मिली है और इसके लगातार मामले बढ़ते जा रहे हैंद्य ग्रीन और ऑरेंज जोन में शामिल जिलों में हेर कटिंग सलून, ब्यूटी पार्लर, चाय की दुकान, टैक्सी–कैब इत्यादि को मंजूरी दी गई है।

हांलाकि कैब में एक ड्राइवर और दो यात्री बैठ पाएंगेद्य 30 यात्रियों के साथ रोडवेज की बस सेवा को भी मंजूरी दी गई हैद्य 30 से अधिक यात्री होने पर बस के ड्राइवर और कंडक्टर के खिलाफ कार्रवाई की जाएगीद्य हांलाकि राजकोट ऑरेंज जोन में होने के बावजूद वहां कोई नई छूट नहीं दी गई। रेड जोन के अहमदाबाद, वडोदरा, सूरत, गांधीनगर और भावनगर में केवल दूध, किराना, दवाइयां समेत आवश्यक सेवाओं को छोड़ अन्य सभी सेवाएं बंद रहेंगीद्य राज्य के ग्रीन, ऑरेंज और रेड तीनों जोन में पान–मसाले की दुकान खोलने की मंजूरी नहीं है।

376 नए केसों के साथ गुजरात में कोरोना को आंकड़ा 5800 के पार, 29 मौते अहमदाबाद में 259 नए मामले और 26 लोगों की मौत, राज्यभर में 153 ठीक हुए

अहमदाबाद। गुजरात में कोरोना के 376 नए केस सामने आए हैंद्य नए केसों में सबसे अधिक कोरोना पॉजिटिव के साथ अहमदाबाद में दर्ज हुए हैंद्य 376 केसों के साथ राज्यभर में कोरोना का आंकड़ा 5804 पर पहुंच गया है, वहीं अहमदाबाद में 259 केसों के साथ 4076 कोरोना मामलों की संख्या 4076 हो गई हैद्य पिछले 24 घंटों में राज्यभर में 153 लोग ठीक हुए हैं और 29 मरीजों की मौत हो गईद्य जिसमें 26 मरीज अहमदाबाद के थे।

स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख सचिव डॉ. जयंति रवि ने बताया कि पिछले 24 घंटों में राज्यभर में कोरोना पॉजिटिव के 376 नए केस दर्ज हुए हैंद्य जिसमें इकलौते अहमदाबाद में सबसे अधिक 259 केस सामने आए हैंद्य जबकि आणंद में 1, भावनगर में 21, बनासकांठा में 3, बोटाद में 3, दाहोद में 6, गांधीनगर में 7, जामनगर में 3, पंचमहल में 7, राजकोट में 3, सूरत में 20, वडोदरा में 35, महीसागर में 3, खेडा में 3 और साबरकांठा में 2 समेत राज्यभर में कुल 376 केस शामिल हैंद्य पिछले 24 घंटों में राज्यभर में कोरोना से 29 मरीजों की मौत हुई है।

जिसमें अहमदाबाद सबसे ज्यादा 26, वडोदरा में 2 और सूरत में एक मरीज की मौत हुई है इस दौरान राज्य में 153 मरीज स्वस्थ हुए हैंद्य सबसे अधिक 87 मरीज स्वस्थ होकर अपने घरों को लौट चुके हैं। जबकि आणंद में 3, अरवल्ली में 5, भरुच में 1, बोटाद में 3, छोटाउदेपुर में 1, नवसार में 1, सूरत में 50, तापी में 1 और वडोदरा में 1 समेत कुल 153 लोग ठीक हुए हैं। जयंति रवि ने बताया कि राज्य में अब तक 84648 टेस्ट किए गए हैं। जिसमें 78844 की रिपोर्ट नेगेटिव आई और 5804 लोगों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई हैद्य राज्यभर में कुल 5804 पॉजिटिव केसों में अब तक 319 मरीजों की मौत हो चुकी है और 1195 लोग ठीक हो चुके हैंद्य शेष 4290 मरीजों में 4265 मरीजों की हालत स्थिर है और 25 मरीज वेन्टीलेटर पर हैं। राज्य में कुल 50983 लोग कोरन्टाइन हैं, जिसमें 44654 होम कोरन्टाइन, 6167 होम कोरन्टाइन और 162 प्राइवेट फैसिलिटी में कोरन्टाइन हैंद्य गुजरात के 31 जिलों में पैर पसार चुके कोरोना के सबसे अधिक केस अहमदाबाद में अब तक 4076 केस दर्ज हो चुके हैंद्य जिसमें 620 लोग ठीक हुए हैं और अब तक 234 मरीजों की मौत हो चुकी हैद्य वहीं वडोदरा में 385, सूरत में 706, राजकोट में 61, भावनगर में 74, आणंद में 75, भरुच में 27, गांधीनगर में 77, पाटन में 22, पंचमहल में 45, बनासकांठा में 39, नर्मदा में 12, छोटाउदेपुर में 14, कच्छ में 7, मेहसाणा में 32, बोटाद में 33, पोरबंदर में 3, दाहोद में 13, गिर सोमनाथ में 3, खेडा में 12, जामनगर में 4, मोरबी में 1, साबरकांठा में 5, अरवल्ली में में 20, महीसागर में 36, तापी में 2, वलसाड में 6, नवसारी में 8, डांग में 2, सुरेन्द्रनगर में 1 और देवभूमि द्वारका अब तक कोरोना पॉजिटिव के 3 केस सामने आए हैं।

लोकडाउन का असर

वलसाड़ से चल कर सताना मध्यप्रदेश चलते जा रहे परिवार को उधना पुलिस ने ट्रावेल्स की बस में बैठाया जो की परिवर अपने गाँव जा सकें.

डीजीपी की प्रवासी श्रमिकों को चेतावनी, कानून हाथ में लिया तो होगी कार्रवाई

अहमदाबाद । गुजरात के पुलिस महानिदेशक शिवानंद झा ने अपने गृह राज्य जाने के इच्छुक प्रवासी श्रमिकों से शांति बनाए रखने की अपील के साथ ही कानून हाथ में लेने पर कानूनी कार्रवाई की चेतावनी भी दी हैद्य बता दें कि सोमवार को राजकोट और सूरत में अपने घर जाने के लिए प्रवासी मजदूर पुलिस से भिड़ गएद्य सूरत में पथराव और आगजनी भी कीद्य हालात पर काबू पाने के लिए पुलिस को आंसू गैस और लाठी चार्ज करना पड़ा।

शिवानंद झा ने कहा कि सरकार की ओर से प्रवासी श्रमिकों को उनके गृह राज्य भेजने की व्यवस्था की जा रही हैद्य ट्रेन, बस और निजी वाहनों के जरिए प्रवासी मजदूरों को उनके राज्य भेजा जा रहा है। प्रवासी लोगों की तादाद काफी ज्यादा होने की वजह से विलंब हो सकता हैद्य ऐसे में लोगों को संयम रखना होगा और प्रशासन के साथ सहयोग करना होगाद्य उग्र होकर कोई भी कानून हाथ में लेगा तो उसके खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगीद्य उन्होंने कहा कि आज लॉकडाउन का तीसरा चरण शुरू हो गया है और केन्द्र सरकार के दिशानिर्देशों के मुताबिक इसे सख्ती से अमल किया जा रहा है। रेड जोन में कोरोना वायरस का संक्रमण अधिक है, इसलिए यहां के लोगों को विशेष तौर पर सतर्कता बरतनी चाहिए और लॉकडाउन का पालन करना चाहिएद्य उन्होंने कहा कि रेड जोन जहां संक्रमण अधिक उसे कंटेनमेंट बनाकर वहां आवाजाही कम करने के पूरे प्रयास किए जा रहे हैं। प्रत्येक कंटेनमेंट क्षेत्र में चेकपोस्ट पर सीसीटीवी या वीडियोग्राफर द्वारा नजर रखने का आदेश दिया गया है और इन इलाकों में आवागमन करने वाले प्रत्येक व्यक्ति और वाहनों की जांच की जा रही हैद्य झा ने कहा कि सतर्कता नहीं बरती गई तो संक्रमण बढ़ेगा और नए कंटेनमेंट बनाने पड़ेंगे। रेड जोन के अलावा अन्य क्षेत्रों में लॉकडाउन का सख्ती से अमल किया जाएगा और जिन्हें मंजूरी दी गई है, उसके अन्य कोई दुकान खोलने पर मामला दर्ज कर कार्रवाई की जाएगीद्य ऑरेंज और ग्रीन जोन में सोशल डिस्टन्स समेत नियमों का उल्लंघन करने पर कानूनी कार्रवाई होगी। टैक्सी में केवल दो यात्रियों को बैठने की मंजूरी दी गई है और इस नियम का उल्लंघन करने पर भी कार्यवाही की जाएगी। शिवानंद झा ने बताया कि राजकोट के जसदण में पुलिस पर हमले के आरोपियों को पासा के तहत गिरफ्तार कर लाजपोर जेल भेज दिया गया है। बनासकांठा के वडगाम में आशा वर्कर महिला पर हमले के आरोप में 7 सख्शों को पासा के तहत गिरफ्तार किया गया हैद्य उन्होंने बताया कि लॉकडाउन का दौरान हमलों की घटना में 54 आरोपियों को पासा के तहत गिरफ्तार

लिफ्ट में करंट लगने से महिला समेत दो लोगों की मौत

राजकोट । शहर के मोटोमवा क्षेत्र के कदम हाईट्स एपार्टमेंट की लिफ्ट में करंट लगने से एक महिला और एक पुरुष समेत दो लोगों की मौत हो गईद्य स्थानीय पुलिस ने दुर्घटना मौत का मामला दर्ज कर जांच शुरू की है। जानकारी के मुताबिक राजकोट के कालावाड़ रोड स्थित मोटोमवा क्षेत्र के कदम हाईट्स की छठवीं मंजिल पर रहनेवाली मनीषा आशरा नामक महिला दूध लेने लिफ्ट से नीचे जा रही थींद्य पांचवीं मंझिल पर लिफ्ट पहुंचने पर करंट लगते ही मनीषा आशरा चीख पुकार करने लगी। चीख पुकार सुन पांचवीं मंझिल निवासी जिज्ञेश ढोल मनीषा को बचाने लिफ्ट के करीब पहुंच गए। लेकिन लिफ्ट के दरवाजे से करंट लगते ही मनीषा और जिग्नेश दोनों ही बेहोश हो गई। बेहोशी की हालत में दोनों को रा. जकोट के सिविल अस्पताल पहुंचाया गया। जहां दोनों की मौत हो गई। स्थानीय पुलिस ने दुर्घटना मौत का मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू की है।

वडोदरा से 1200 प्रवासी मजदूर ट्रेन से अपने गृह राज्य को रवाना

वडोदरा । वडोदरा रेलवे स्टेशन से देर रात 1200 जितने प्रवासी श्रमिकों को ट्रेन के जरिए उनके गृह राज्य रवाना किया गयाद्य प्रवासी श्रमिकों को वडोदरा के अलग अलग क्षेत्रों से रेलवे स्टेशन लाया गया, जहां से विशेष ट्रेन के जरिए रवाना किया गया। हांलाकि श्रमिकों को रेलवे स्टेशन लाने के दौरान सोशल डिस्टसिंग का ध्यान नहीं रखा गयाद्य केवल वडोदरा ही नहीं अहमदाबाद और सूरत समेत राज्य के कई शहरों से प्रवासी मजदूरों को उनके गृह राज्य भेजा जा रहा ह। दूसरी ओर वडोदरा महानगर पालिका ने शहर के 11 इलाकों को रेड जोन से हटाकर ऑरेंज जोन में रख दिया है। इन क्षेत्रों में कोरोना पॉजिटिव का एक भी केस सामने नहीं आने के बाद यह फैसला किया गयाद्य शहर के 59 इलाके अब भी रेड जोन में हैं और वहां लॉकडाउन का सख्ती से अमल किया जा रहा है। गौरतलब है कि गुजरात में कोरोना के मामले तेजी से बढ़ते जा रहे है। इकलौते अहमदाबाद में कोरोना के अब तक 3817 मामले दर्ज हो चुके हैं और 208 मरीजों की अब तक मौत हो चुकी है। देशभर में कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए केन्द्र सरकार ने 20 शहरों में टीमें भेजी हैं। इन 20 शहरों में गुजरात के 3 अहमदाबाद, वडोदरा और सूरत शहर शामिल हैं। केन्द्रीय टीमें कोरोना के खिलाफ लड़ाई में स्थानीय प्रशासन की मदद करेंगी

पश्चिम रेलवे की 7 पार्सल स्पेशल ट्रेनें आज देश के विभिन्न हिस्सों के लिए रवाना

अहमदाबाद। पश्चिम रेलवे राष्ट्र और लोगों के प्रति अपनी सम्पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ, बड़े पैमाने पर यह सुनिश्चित कर रही है कि कोरोना महामारी के इस कठिन समय के दौरान, देश भर में आवश्यक वस्तुएँ अनवरत उपलब्ध कराई जाती रहें। यह सम्मान की बात है कि पश्चिम रेलवे न केवल आवश्यक वस्तुओं, बल्कि सबसे ज़रूरी दवाओं और चिकित्सा उपकरणों की आपूर्ति के ज़रिये भी राष्ट्र को अपनी सेवाएँ निरंतर प्रदान कर रही है। पश्चिम रेलवे ने देश के विभिन्न हिस्सों में लॉकडाउन अवधि के दौरान अनेक पार्सल विशेष ट्रेनों का परिचालन लगातार जारी रखा है। इन्हीं ट्रेनों में से सात पार्सल स्पेशल ट्रेनें, जिनमें दूध की एक विशेष रेक शामिल है, 3 मई, 2020 को देश के विभिन्न स्टेशनों के लिए पश्चिम रेलवे के निर्धारित स्टेशनों से रवाना हुईं।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी रविन्द्र भाकर द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार 23 मार्च से 3 मई, 2020 तक की अवधि में अपनी विभिन्न पार्सल विशेष गाड़ियों के माध्यम से पश्चिम रेलवे द्व ारा 24000 टन से अधिक वजन वाली वस्तुओं का परिवहन किया गया है, जिनमें कृषि उपज, दवाइयां, मछली, दूध और मेडिकल सामग्री मुख्य रूप से शामिल हैं। इस परिवहन के माध्यम से होने वाली कुल कमाई, लगभग 7.27 करोड़ रुपये रही है। इस अवधि के दौरान पश्चिम रेलवे द्वारा 20 मिल्क स्पेशल ट्रेनें चलाई गईं, जिनमें 14400 टन से अधि क का भार था और वैगनों के 100: उपयोग से लगभग 2.48 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ। इसी तरह, 124 कोविड –19 विशेष पार्सल ट्रेनें भी आवश्यक वस्तुओं के परिवहन के लिए चलाई गईं, जिनके लिए अर्जित राजस्व 4 करोड़ रुपये से ऊपर रहा। इनके अलावा, लगभग 78 लाख रु. की आय के लिए 100: उपयोग के साथ 4 इंडेंटेड रेक भी चलाए गए। श्री भाकर ने बताया कि 7 पार्सल विशेष ट्रेनें 3 मई, 2020 को देश के विभिन्न हिस्सों के लिए पश्चिम रेलवे से रवाना हुईं, जिनमें 6 ट्रेनें मुंबई सेंट्रल दृ फिरोजपुर, ओखा दृ बांद्रा टर्मिनस, राजकोट दृ कोयम्बटूर, ओखा दृ गुवाहाटी, दादर दृ भुज और बांद्रा टर्मिनस दृ ओखा पार्सल विशेष ट्रेनें शामिल हैं, जबकि एक दूध विशेष रेक पालनपुर से हिंद टर्मिनल के लिए रवाना हुई। उन्होंने बताया कि 22 मार्च से 2 मई, 2020 तक लॉकडाउन की अवधि के दौरान, पश्चिम रेलवे द्वारा मालगाड़ियों के कुल 2847 रेकों का इस्तेमाल 6.21 मिलियन टन आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति के लिए किया गया है। 5876 मालगाड़ियों को अन्य रेलवे के साथ जोड़ा गया है, जिनमें 2966 ट्रेनें और 2910 ट्रेनें अलग–अलग इंटरचेंज पॉइंट पर ली गई हैं। पार्सल वैन / रेलवे मिल्क टैंकर (आरएमटी) के 150 मिलेनियम पार्सल रेक देश के विभिन्न भागों में दूध पाउडर, तरल दूध और अन्य सामान्य उपभोक्ता वस्तुओं जैसी आवश्यक सामग्री की मांग के अनुसार आपूर्ति करने के लिए भेजे गए हैं। मार्च, 2020 में पश्चिम रेलवे पर अनुमानित घाटा 207.11 करोड़ रुपये रहा है, अप्रैल 2020 में यह 449.52 करोड़ रुपये और मई, 2020 के 2 दिनों में

29.98 करोड़ रुपये रहा है। इस प्रकार कोरोनावायरस और लॉकडाउन के कारण पश्चिम रेलवे (उपनगरीय + गैर–उपनगरीय सहित) का कुल नुकसान 686. 61 करोड़ रुपये रहा है। इसके बावजूद, अब तक टिकटों के निरस्तीकरण के फलस्वरूप, पश्चिम रेलवे ने 236.02 करोड़ रुपये की राशि रिफंड के रूप में वापस करना सुनिश्चित किया है। यह भी उल्लेखनीय है कि इस रिफंड राशि में, मुंबई डिवीजन ने अकेले 114.11 करोड़ रुपये का रिफंड सुनिश्चित किया है। अब तक, 36.22 लाख यात्रियों ने पूरी पश्चिम रेलवे पर अपने टिकट रद्द कर दिए हैं और तदनुसार उनकी किराया वापसी राशि प्राप्त की है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)